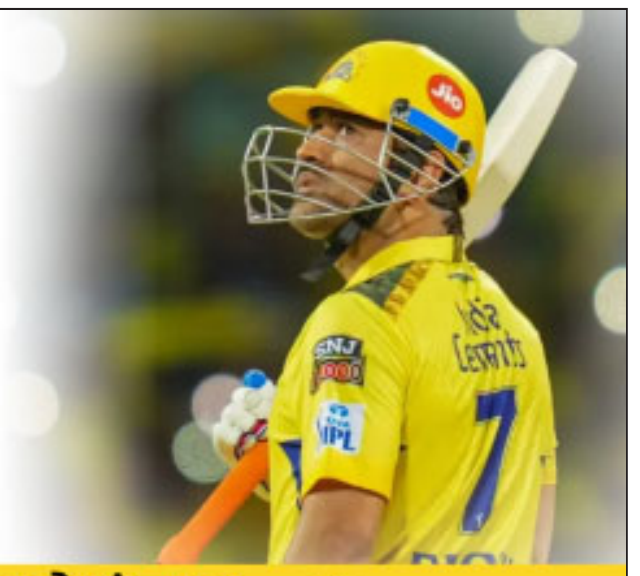
18 नवम्बर 2026 बुधवार
वर्ष : 20 अंकः 135
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्यः 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH
हिंदी दैनिक



lokhastakshep.com
खेल
MS Dhoni ने लिया आईपीएल से संन्यास.....7

जनगणना 2027
स्व-गणना: 16 नवंबर से 30 नवंबर, 2026
जनसंख्या गणना: 1 दिसंबर, 2026 से 4 जनवरी, 2027
केवल गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लिए
हमारी जनगणना, हमारा विकास | se.census.gov.in | 1800 180 1855 | 1855
जनगणना से जुड़ी जानकारी के लिए स्कैन करें
गृह मंत्रालय भारत सरकार
CBC 19108/11/0018/2627

यूपी में एसआईआर के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

संवाददाता,लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि नई सूची में प्रदेश के करीब 13.58 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। अंतिम मतदाता सूची की तुलना में इस बार कुल 18 लाख 84 हजार 113 मतदाताओं की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ड्राफ्ट सूची जारी होने के साथ ही मतदाताओं को अपना नाम जुड़वाने, हटवाने और दर्ज विवरण में संशोधन कराने का मौका भी मिल गया है। निर्वाचन आयोग के जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अब कुल मतदाताओं की संख्या 13 करोड़ 58 लाख 68 हजार 905 हो गई है। इनमें 7 करोड़ 38 लाख 58 हजार 510 पुरुष, 6 करोड़ 20 लाख 6 हजार 353 महिला और 4,042 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। आयोग ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे ड्राफ्ट सूची में अपना और परिवार के सदस्यों का नाम जरूर जांच लें। 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश में कुल 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता दर्ज थे। इनमें 7 करोड़ 30 लाख 71 हजार 61 पुरुष और 6 करोड़ 9 लाख 9 हजार 525 महिला मतदाता शामिल थीं। नई ड्राफ्ट सूची में पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 लाख 87 हजार 449 बढ़ी है, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या में 10 लाख 96 हजार 828 का इजाफा हुआ है। इस तरह पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या में करीब 3.09 लाख अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। निर्वाचन आयोग के आंकड़े बताते हैं कि पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची में महिलाओं की भागीदारी में अपेक्षाकृत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है।



☐ 13.58 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल, 18.84 लाख वोटर बढ़े

ड्राफ्ट मतदाता सूची में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 11 लाख 83 हजार 352 दर्ज की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के मुताबिक, इस कमी की एक वजह यह है कि पहले सूची में शामिल 19 साल के कई मतदाता अब 20 वर्ष के हो चुके हैं। इसलिए उन्हें 18–19 वर्ष वाले आयु वर्ग में

क्वाड शिखर सम्मेलनःवैश्विक चुनौतियों का विश्वसनीय समाधान देता है यह मंचः मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। मनीला (फिलीपींस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्वाड की साझेदारी पूरी तरह भारत के हित में है और यह मंच वैश्विक चुनौतियों का विश्वसनीय समाधान प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह बैठक सदस्य देशों के बीच आपसी सहयोग को और अधिक बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।



शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच एक अहम द्विपक्षीय मुलाकात हुई। दोनों नेताओं की यह भेंट लगभग दो वर्षों के अंतराल के बाद हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए उन्हें अपना अच्छा मित्र और एक अद्भुत नेता बताया।बैठक में मोदी और ट्रंप के अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाईची भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने 23वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया।

मथुरा में भाजपा का दो दिवसीय चिंतन मंथन संपन्न

'मिशन–2027' के लिए पांच प्रमुख मुद्दों पर बनी रणनीति

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय प्रदेश योजना एवं चिंतन बैठक मंगलवार को मथुरा के परखम गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र में संपन्न हो गई। बैठक में आगामी चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए संगठनात्मक मजबूती और चुनावी एजेंडे पर व्यापक विचार–विमर्श किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और यूपी चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े समेत पार्टी के 55 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए।



मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान को धार देने के लिए पांच प्रमुख बिंदुओं पर मंथन किया गयारू

सांस्कृतिक विरासत एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमिरू पार्टी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि और सांस्कृतिक पहचान के मुद्दे को प्रमुख वैचारिक एजेंडे में शामिल करने पर चर्चा की। प्रदेश में एक्सप्रेसवे, सड़क और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने की योजना बनी।

प्रदेश में कानून राज
अपराध पर जीरो टॉलरेंस



उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने, अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने तथा नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए सुरक्षा तंत्र को लगातार सुदृढ़ किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में साइबर अपराध से लेकर महिला सुरक्षा, संगठित अपराध, पुलिस आधुनिकीकरण और तकनीक आधारित निगरानी तक व्यापक स्तर पर प्रभावी कदम उठाए गए हैं।



112 आपातकालीन पुलिस सेवा
102 गर्भवती महिलाएं एवं नवजात शिशु
108 एम्बुलेंस सेवा
181 महिला हेल्पलाइन
1090 विमेन पावर लाइन
101 अग्निशमन सेवा
1076 कुशलमंत्री हेल्पलाइन
1030 साइबर क्राइम हेल्पलाइन



साइबर सुरक्षा
- प्रदेश के सभी 75 जिलों में साइबर क्राइम थाने क्रियाशील
- सभी जनपदीय थानों में साइबर सेल/डेस्क की स्थापना
- राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल एवं हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों पर फ्रीज/होल्ड कराने की व्यवस्था।

त्वरित पुलिस सहायता
- UP-112 को अधिक जनोपयोगी बनाने के लिए तंत्रावनों में वृद्धि और नई परियोजनाओं का संचालन।
- औद्योगिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षित माहौल देने के लिए लिंक सेवा शुरू करने का निर्णय।
- 1090, GRP, रेलवे सर्विस और महिला हेल्पलाइन 181 का एकीकरण।

महिला एवं बालिका सुरक्षा
- छेड़छाड़ की घटनाओं पर अंकुश के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड का प्रभावी संचालन
- प्रत्येक थाने में क्षितिज सखि केन्द्र की स्थापना
- महिला सुरक्षा के लिए महिला PAC बटालियनों का गठन और विस्तार
- महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन 1090 का गठन

अपराध एवं संगठित अपराध पर कार्रवाई
- दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध पुलिस की प्रभावी कार्रवाई।
- बैनलस्टर अभिनियम और NSA के तहत कार्रवाई।
- माफिया एवं अपराधियों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों का जब्तीकरण।
- ऑपरेशन कनिष्ठाक्षन के माध्यम से विभिन्न अपराधों में अभियुक्तों को सजा दिलाने की प्रभावी पैरवी।

06 मिनट 11 सेकंड UP-112 का वर्तमान रिस्पांस टाइम
995 NSA के तहत कार्रवाई
42,226 एंटी रोमियो कार्रवाई में वैधानिक कार्रवाही वाले व्यक्ति
₹15,233 करोड़+ बैनलस्टर अभियान के तहत गया अवैध संपत्तियों का लाखत मूल्य
3 महिला PAC बटालियन गठित
₹4,309 करोड़+ माफिया एवं अपराधियों की गयी अवैध संपत्ति
5 अन्य महिला PAC बटालियन गठन की प्रक्रिया गतिमान
36 माफिया + 104 संगठित अपराधी सलाखों के पीछे भेजे गए
20 मार्च 2017 से अब तक सूबे में 303 अपराधी मारे गए
01 जुलाई 2023-30 जून 2026 के दौरान ऑपरेशन कनिष्ठाक्षन में लगा पाए अभियुक्त 1,48,441
12,202 सूबे में सक्रिय अपराधी
15,402 POCSO अभियोग के अभियोगों में सजा
23,601 इनामी अपराधी गिरफ्तार कर जेल भेजे गए
4,714 बलात्कार के अभियोगों में सजा

आधुनिक एवं सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था
- लखनऊ, कौशलपुरम, कानपुर नगर, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद तथा प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था
- महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन
- मानव तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 75 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को थानों में परिवर्तित किया गया
- प्रदेश के 12 जनपदों में विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं क्रियाशील
- पुलिस बल में भर्ती एवं प्रोन्नति के माध्यम से मानव संसाधन को मजबूत किया गया

तकनीक से अपराध पर नजर
- ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत व्यापक CCTV नेटवर्क स्थापित
- CCTV के माध्यम से हत्या, डकैती, अपहरण, स्नैचिंग, रंगेबाजी सहित विभिन्न अपराधों के खुलासे में सहायता।

कानून का प्रभावी अनुपालन
- उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में धार्मिक स्थलों पर निर्धारित मानक के अनुसार ध्वनि प्रदूषण सुनिश्चित करने का अभियान
- महिला एवं नाबालिगों के विरुद्ध अपराधों में प्रभावी अन्वेषण एवं सजा सुनिश्चित करने पर जोर



नागरिकों के सहायतार्थ

07 महिला थाने	04 जल पुलिस चौकी	75 विद्युत निरोधक पुलिस थाना	04 आर्थिक अपराध जांच थाने	06 6 लाख लॉजिस्टिक्स थाने	24 लाख से अधिक CCTV कैमरा
87 नई पुलिस चौकी	78 महिला पुलिस चौकी/पराक्रम केन्द्र	10 सतर्कता अभियान थाना	75 साइबर क्राइम थाना	75 75 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थानों में परिवर्तित	19,400 महिला पुलिस कर्मियों की नियुक्ति

काम दमदार - डबल इंजन सरकार
ADVERTORIAL

ATHER



Introducing RIZTA
आपकी फ़ैमिली का नया मेम्बर





Introductory price ₹109 946*

159KM IDC रेंज | 2700+ पब्लिक फ़ास्ट चार्जर्स | पूरे भारत में सर्विस नेटवर्क

Limited Period Offer | 8 Year Battery Warranty worth of ₹5000* | flexipay EMI starts at ₹2199 • Loan approval in 10 mins • Zero down-payment

जिलाधिकारी प्रयमेश कुमार ने कलेक्ट्रेट का किया औचक निरीक्षण अभिलेखों के रख-रखाव और लंबित मामलों के निस्तारण के दिए निर्देश

नजारत स्थापना भूलेख, संग्रह सहित विभिन्न अनुभागों का लिया जायजा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। जिलाधिकारी प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर का औचक निरीक्षण कर विभिन्न कार्यालयों एवं अनुभागों में संचालित कार्यों और अभिलेखों के रख–रखाव की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नजारत अनुभाग स्थापना अनुभाग संग्रह अनुभाग भूलेख अनुभाग सीलिंग अनुभाग अभिलेखागार न्याय स्थानीय निकाय एवं राजस्व अभिलेखागार सहित विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित अनुभागों में रखे अभिलेखों पत्रावलियों एवं



रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए उनके अद्यतन होने की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सभी अभिलेख नियमित रूप से अपडेट रखने तथा पत्रावलियों का निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थित रख–रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यालयों में साफ–सफाई और दस्तावेजों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण किया जाए। किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा आम नागरिकों को कार्यालयों में समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके बाद उन्होंने संयुक्त कार्यालय के विभिन्न पटलों और अभिलेखागार का निरीक्षण किया। पुराने दस्तावेजों एवं संरक्षित फाइलों के रख–रखाव की स्थिति भी देखी। इसके अतिरिक्त जिला निर्वाचन कार्यालय एवं ई–डिस्ट्रिक्ट कार्यालय पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी कार्यालयों में कार्यप्रणाली पारदर्शी एवं व्यवस्थित रखी जाए और शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों का समय से निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कल सजेगी मधुर शर्मा की सुरों की महफिल,सहजनी स्थित स्टेडियम में होगा लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट

भाजपा नेता शशांक शेखर सिंह ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता उन्नाव। मशहूर सिंगर मधुर शर्मा का लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट 18 नवंबर को शुक्लागंज के सहजनी स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित होगा। कार्यक्रम को लेकर आयोजकों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को भाजपा नेता शशांक शेखर सिंह (सनी) कार्यक्रम स्थल पहुंचे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आयोजन स्थल का जायजा लेकर कार्यक्रम से जुड़ी तैयारियों की जानकारी ली। आयोजक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में सिंगर मधुर शर्मा अपनी गायकी से संगीत प्रेमियों का मनोरंजन करेंगे। उनके लोकप्रिय गीतों को सुनने के लिए प्रशंसकों में उत्साह है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था के लिए 100 से अधिक महिला और पुरुष बाउंसर तैनात किए जाने की तैयारी है। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस और सिविल पुलिस की भी व्यवस्था की जाएगी, ताकि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनी रहे।

मझिलगांव में ग्राम समाज की जमीन पर कब्जे का आरोप, दो शिकायतें

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

खागा। ग्राम पंचायत मझिलगांव में ग्राम समाज की भूमि पर प्रधान प्रतिनिधि द्वारा कब्जा कराने के आरोप में दो अलग–अलग शिकायतें सामने आई हैं। ग्रामीणों ने डीएम और मुख्यमंत्री को प्रार्थना–पत्र भेजकर जांच व कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। पहली शिकायत गांव के मृदुल कुमार पुत्र दया शंकर ने दी है। उनका कहना है कि उनकी पुश्तैनी भूमि गाटा संख्या 992 के बगल में स्थित ग्राम समाज की जमीन का उपयोग वह वर्षों से खलिहान के रूप में करते आ रहे हैं। आरोप है कि प्रधान प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने बाहरी लोगों से सांठगांठ कर उस जमीन पर टीनशेड व चबूतरा बनवा दिया है, जिससे उनका रास्ता व खलिहान समाप्त हो गया है। विरोध पर झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। दूसरी शिकायत कमलेश सिंह व ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने की है। उनका आरोप है कि ग्राम पंचायत की सुरक्षित भूमि गाटा संख्या 763 को प्रधान प्रतिनिधि ने अपनी भूमिधरी गाटा संख्या 760 में मिलाकर जोतवा लिया है। साथ ही हाईवे से गांव को जाने वाले मुख्य मार्ग के किनारे की कीमती सुरक्षित भूमि को भी चहेतों को रुपया लेकर कुटिया, टीनशेड बनवाकर कब्जा करवा दिया है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर धमकी दी जाती है कि ऊपर तक सिस्टम पहुंचा दिया है, कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। ग्रामीणों ने मौके पर तहसील टीम भेजकर जांच कराकर ग्राम समाज की भूमि को कब्जा मुक्त कराने व दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पीएम आवास योजना में पात्रों के नाम काटने का आरोप, उन्नाव में रोजगार सेवक पर 20 हजार रुपए मांगने की शिकायत, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

उन्नाव। सिकंदपुर सरोसी ब्लॉक की बौनामऊ ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के चयन में गड़बड़ी का आरोप लगा है। मंगलवार को पब्लिक अधिकार सोशलिस्ट इंडियन पार्टी के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जांच की मांग उठाई। दोपहर करीब 12 बजे जिलाधिकारी के नाम का ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह को सौंपा। इसमें पात्र परिवारों के नाम सूची से हटाने और अपात्रों को योजना का लाभ देने की शिकायत की गई। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार रावत की ओर से दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि ग्राम पंचायत बौनामऊ में पात्रता सूची तैयार करने और लाभार्थियों के चयन में मनमानी की गई। ग्रामीणों का कहना है कि रोजगार सेवक की मिलीभगत से पात्र परिवारों



के नाम काट दिए गए। ज्ञापन में देवी पत्नी देवी दीन, सीमा देवी पत्नी संतोष और सुनीता देवी पत्नी बिहारी के नाम शामिल हैं। आरोप है कि तीनों के नाम पहले पात्रता सूची में थे, लेकिन बाद में हटा दिए गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आवास योजना की पात्रता सूची में नाम बनाए रखने के लिए 20 हजार रुपए मांगे गए। रुपए नहीं देने पर सूची से नाम हटाने की बात कही गई। ज्ञापन में इस मामले की भी जांच कराने की मांग की गई है। पदाधिकारियों ने आवास योजना के लाभार्थियों के चयन की उच्चस्तरीय जांच कराने और पात्रता सूची का दोबारा सत्यापन करने की मांग की। उन्होंने कथित गड़बड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग उठाई। इसके अलावा कुतुबपुर और सेवामऊ कोटेर के जरूरतमंद और बेघर परिवारों की पात्रता नए सिरे से जांचने की बात कही। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर वास्तविक पात्रों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की संयुक्त बैठक में लोकमत परिष्कार व संगठन मजबूती पर मंथन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जनपद उन्नाव की जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में दो सत्रों में संपन्न हुई। प्रथम सत्र श्लोकमत परिष्कारश तथा द्वितीय सत्र श्समन्वय मिलनश पर केंद्रित रहा। दोनों सत्रों की अध्यक्षता नगर संघचालक व इंटर कॉलेज पड़री के प्रधानाचार्य डॉ. एस. पी. सिंह ने की।



प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध ा प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. अशोक कुमार दुबे ने कहा कि संघ की 100 वर्ष की यात्रा पूरी हो चुकी है। संघ का मुख्य उद्देश्य भारत को वैभवशाली राष्ट्र बनाना और हिंदू समाज को सशक्त करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत विचार परिवार के संगठन अपने नियमों और कार्यक्रमों के अनुसार स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के जरिए शिक्षकों को लोकमत परिष्कार के सूत्र दिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. एस.पी. सिंह ने मतदान परिष्कार का महत्व समझाते हुए राष्ट्रवादी विचारधारा की सरकार बनवाने में शिक्षकों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिला प्रचार प्रमुख नागेंद्र जी ने वैचारिक मतभेद भुलाकर समान विचारधारा के साथियों को एकजुट करने पर बल दिया।

द्वितीय सत्र में माध्यमिक संवर्ग के पूर्व प्रदेश महामंत्री दिनेश गुप्ता ने श्शैक्षिक संकल्पश पत्रिका के पुनः प्रकाशन की मांग उठाई। वहीं, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री भगवती सिंह ने पदाधिकारियों को दायित्व बोध कराते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को कहा।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने किया। जिला मीडिया प्रभारी योगेंद्र शुक्ला व सह मीडिया प्रभारी संतोष कुमार ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। बैठक में जिला बौद्धिक प्रमुख कामेंद्र पांडे, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष अखिलेश चंद्र शुक्ला, संगठन मंत्री कपिल त्रिवेदी, कार्यकारी अध्यक्ष अंबिका प्रसाद चौरसिया, जिला मंत्री रतन शुक्ला, कोषाध्यक्ष सोनू बाजपेई, उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह व शिव शंकर सहित लगभग एक सैकड़ा शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं ब्लॉक पदाधिकारी मौजूद रहे। अंत में जिला अध्यक्ष भरत चित्रांशी व जिला महामंत्री संकल्प मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधान पर गांव के धन का बंदरबांट करने का आरोप, शपथ-पत्र देकर जांच की मांग

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

खागा (फतेहपुर)। ग्राम पंचायत मझिलगांव में विकास कार्यों में सरकारी धन के बंदरबांट का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने शपथ–पत्र देकर उच्चाधिकारियों से जांच की मांग की है। शपथ–पत्र में मनरेगा, ग्राम निधि, एसबीएम योजना सहित कई कार्यों में फर्जी भुगतान व धांधली के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मझिलगांव में मनरेगा के तहत जो तालाब खुदाई कराई गई, वह जेसीबी से कराई गई है। इसमें नाबालिग बच्चों की फोटो लगाई गई तथा मनरेगा जॉब कार्ड ऐसे लोगों के नाम बनवाए गए जो बड़े काश्तकार हैं और कभी भी मनरेगा में काम करने नहीं जाते हैं। उनके फर्जी जॉब कार्ड बनवाकर रुपया बंदरबांट किया जाता है। शपथ–पत्र में यह भी कहा गया है कि ग्राम पंचायत मझिलगांव में एसबीएम योजना के तहत सोकपिटों के निर्माण, प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के पीने के पानी के लिए बने हैंडवाश व शौचालय के निर्माण की जांच हो। ग्राम निधि खाते से समरसन नाम के व्यक्ति के खाते में अनेकों बार पैसा भेजा गया जो नियमावली के विरुद्ध है, इसकी भी जांच हो। इसके अलावा ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय में नियुक्त केयरटेकर कभी भी शौचालय में नहीं रहता है, इसके बावजूद केयरटेकर के नाम पर भुगतान कराया जा रहा है। मिट्टी पुराई के कार्यों में भी अनियमितता का आरोप है। पक्की रोड से अजय के खेत तक मिट्टी पुराई मानक से अधिक कराई गई। विनय के खेत से कमता के खेत तक मिट्टी पुराई ठेके से 50 रुपये प्रति मीटर में कराई गई। विनय के खेत से ऋषिकेश के खेत तक मिट्टी पुराई का दो बार फर्जी भुगतान किया गया। शिकायतकर्ता ने कहा है कि उसके द्वारा आरटीआई से सूचना मांगने के बाद भी आज तक नहीं दिया गया। सब इनको बचा रहे हैं। शपथ–पत्र में मांग की गई है कि पूरे प्रकरण की मौके पर जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

नवागत बीडीओ सत्यकाम तोमर ने संभाला सिद्धौर ब्लॉक का कार्यभार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सिद्धौर, बाराबंकी। सिद्धौर ब्लॉक परिसर में मंगलवार को नवागत खंड विकास अधिकारी सत्यकाम तोमर ने विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने सिद्धेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा–अर्चना की और अपने नए दायित्वों की शुरुआत की।

इस अवसर पर ग्राम प्रधानों, ब्लॉक कार्यालय के कर्मचारियों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया। बीडीओ सत्यकाम तोमर ने कार्यालय की जिम्मेदारी संभालने के साथ ही क्षेत्रीय विकास कार्यों को लेकर अपनी नई पारी शुरू

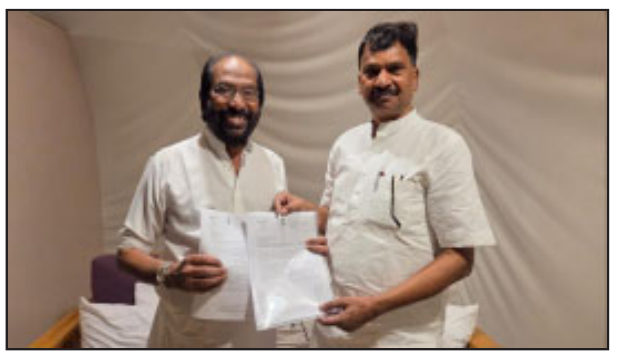


की। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान जरगांवां अनिल जायसवाल, जयप्रकाश, हरिओम, वीरेंद्र, ग्राम पंचायत सचिव आकाश पटेल, रविंद्र वर्मा, दीपक वर्मा, उमेश चंद्र वर्मा, जगमोहन, रामू और राजकुमार तिवारी सहित कई लोग उपस्थित रहे। सभी ने नवागत खंड विकास अधिकारी का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

लक्षद्वीप में संसद की उद्योग संबंधी स्थायी समिति की बैठक के दौरान सांसद राकेश राठौर ने समिति अध्यक्ष को पत्र सौंपकर सीतापुर के औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर।लक्षद्वीप संसद की उद्योग संबंधी स्थायी समिति की लक्षद्वीप में आयोजित बैठक के दौरान सीतापुर के सांसद श्री राकेश राठौर ने समिति के अध्यक्ष को एक विस्तृत पत्र सौंपकर जनपद सीतापुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक विकास रोजगार सृजन तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों (डैडम) से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सांसद ने पत्र के माध्यम से सीतापुर में नए औद्योगिक क्षेत्र एवं डैडम पार्क की स्थापना



स्थानीय युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र कृषि आधारित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन छोटे उद्यमियों एवं व्यापारियों को आसान ऋण सुविधा तथा डैडम इकाइयों और छोटे ठेकेदारों के लंबित भुगतानों के समयबद्ध निस्तारण की मांग रखी।

इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने तथा इलेक्ट्रिक वाहन एवं कृषि उपकरणों से संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने का विषय भी समिति के समक्ष रखा। सांसद राकेश राठौर ने कहा कि सीतापुर कृषि प्रधान जनपद है जहां औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यदि क्षेत्र में उद्योगों को प्रोत्साहन आवश्यक सुविधाएं और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए तो स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा किसानों व्यापारियों और छोटे उद्यमियों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

उन्होंने समिति के अध्यक्ष से अनुरोध किया कि इन महत्वपूर्ण विषयों पर संबंधित मंत्रालय से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सीतापुर के औद्योगिक विकास के लिए प्रभावी सुझाव एवं अनुशंसाएं की जाएं। सांसद ने कहा कि सीतापुर का समग्र विकास युवाओं को रोजगार और स्थानीय उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है

ट्रॉमा सेंटर ओयल में एक दिन में 8 सफल सर्जरी



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मिनी ट्रॉमा सेंटर ओयल में चिकित्सकों ने एक ही दिन में 8 सफल सर्जरी कर कीर्तिमान बनाया है। एक्स–रे मशीन और सुविधाएं मिलने के बाद अब गंभीर मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर इलाज मिल रहा है।ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. हरिराम वर्मा ने बताया कि सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता और एसीएमओ डॉ. रवि मोहन गुप्ता के प्रयासों से यह संभव हुआ। टीम में डॉ. फैसल अहमद, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. शशांक मोहन, डॉ. जयराम, डॉ. अमन अंसारी और डॉ. एसपी सिंह सहित नर्सिंग व ओटी स्टाफ शामिल रहा।

घर के अंदर मिला अधेड़ का शव

बस्ती,संवाददाता। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नकटीदेई गांव के तिनियहवा पुरवा में मंगलवार सुबह घर के अंदर 50 साल के दिग्विजय चौधरी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। मंगलवार सुबह करीब सात बजे दिग्विजय चौधरी का शव घर के अंदर मिला। जानकारी होते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर कप्तानगंज पुलिस सुबह करीब 10 बजे पहुंची और जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने घर के अंदर बारीकी से जांच–पड़ताल की और जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिग्विजय चौधरी की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है। घर के अंदर शव मिलने के बाद गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि, मौत के कारणों को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक टीम की ओर से जुटाए गए सबूतों के परीक्षण के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

वाहन की चपेट में आकर साइकिल सवार घायल

बहराइच,संवाददाता। जिले के मोतीपुर तहसील के सुजौली थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में साइकिल सवार युवक घायल हो गया। 108 एंबुलेंस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर उसे प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। बड़खड़िया ग्राम पंचायत निवासी सुमित कुमार साइकिल से बाजपुर बनकटी होते हुए चफरिया जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार वाहन गुजरा।

सुमित असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़े और उन्हें चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने पर एंबुलेंस पायलट विजय और ईएमटी मुदित कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने सुमित को प्राथमिक उपचार दिया और आगे के इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। सुमित के परिजनों और ग्रामीणों क्रांति, श्यामकरण, मनीष, सुरेश, भूपेंद्र और कृपाशंकर ने एंबुलेंस कर्मियों की तारीफ की। ग्रामीणों ने कहा कि हादसे के बाद समय पर उपचार जरूरी होता है और एंबुलेंस कर्मियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मदद की। ग्रामीणों के मुताबिक, सुजौली जिला मुख्यालय से दूर और दुर्गम इलाके में है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसे या अचानक स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में 108 एंबुलेंस सेवा से लोगों को समय पर उपचार मिल पाता है।

सामूहिक विवाह में 66 जोड़े शादी के बंधन में बंधे

बस्ती,संवाददाता। गौर के शिवनारायण मैरिज हॉल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 66 जोड़ों की शादी हुई। वैदिक मंत्रों और रीति–रिवाजों के बीच वर–वधुओं ने सात फेरे लिए। समारोह में परिजन और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। योजना के तहत हर जोड़े पर एक लाख रुपए खर्च किए जाने का प्रावधान है। इसमें 64 हजार रुपए दुल्हन के बैंक खाते में सीधे भेजे जाएंगे। विवाह सामग्री के लिए 21 हजार रुपए तय हैं। इसमें कपड़े, आभूषण, बर्तन और गृहस्थी का सामान दिया जाएगा। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी केके सिंह, समाज कल्याण अधिकारी, विभागीय कर्मचारी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि जटाशंकर शुक्ल मौजूद रहे।

बिजली कर्मियों का 'ज्ञापन दो अभियान' दूसरे दिन भी जारी

- नीति में अप्रत्याशित है और देवरिया, कुछ बवाल हुआ
- दो हजार सत्ताईस से रणनीति पर मंथन योजना

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस कराने की मांग को लेकर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर 16 से 22 नवंबर तक चलाया जा रहा प्रदेशव्यापी 'ज्ञापन दो अभियान' आज दूसरे दिन भी जारी रहा। अभियान के तहत सांसदों, विधायकों, मंत्रियों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर मार्च 2023 के आंदोलन तथा निजीकरण विरोधी आंदोलन के दौरान बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस कराने के लिए सरकार से प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की जा रही है।

अभियान के दूसरे दिन आज राजधानी लखनऊ में नव निर्वाचित विधान परिषद सदस्य मा. कांति सिंह जी को ज्ञापन सौंपा गया। संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारी सुहेल आबिद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उनसे भेंट कर ज्ञापन दिया। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे गए।प्रतिनिधिमंडल ने मार्च 2023 के आंदोलन के बाद तत्कालीन ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा के साथ हुए समझौते तथा बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस लेने के स्पष्ट निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की। ज्ञापन में इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई कि ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते और उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस लेने के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अब तक उनका समुचित अनुपालन नहीं किया गया है। संघर्ष समिति ने सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर सभी लंबित उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस कराने की मांग की। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम में अभियंताओं के लिए घोषित अनावश्यक एवं अवैधानिक टेस्ट प्रक्रिया के विरोध ा के साथ अब दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में भी अभियंताओं के लिए ऐसी ही टेस्ट प्रक्रिया घोषित किए जाने पर अभियंताओं ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है।

संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन से मांग की है कि दोनों निगमों में टेस्ट प्रक्रिया से संबंधित सभी आदेश तत्काल निरस्त किए जाएं। संघर्ष समिति ने कहा कि अभियंताओं की योग्यता, दक्षता एवं कार्यक्षमता का आकलन करने के नाम पर उन पर अनावश्यक परीक्षा प्रक्रिया थोपना उनके सम्मान, मनोबल और कार्यक्षमता को प्रभावित करने वाला कदम है। अभियंताओं की स्थापित सेवा शर्तों एवं सेवा नियमावली की अनदेखी कर इस प्रकार की प्रक्रिया लागू करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि बिजली कर्मियों का उत्पीड़न तत्काल बंद होना चाहिए। मार्च 2023 के आंदोलन एवं निजीकरण विरोधी आंदोलन के दौरान की गई सभी लंबित दंडात्मक कार्यवाहियां, दर्ज एफआईआर, स्टेट विजिलेंस की जांच तथा अन्य उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयां तत्काल वापस ली जानी चाहिए। संघर्ष समिति ने यह भी मांग की कि निजीकरण विरोध ी आंदोलन के दौरान बर्खास्त एवं सेवा से हटाए गए संविदा कर्मियों को पुनः सेवायोजित किया जाए तथा आंदोलन में सक्रिय बिजली कर्मियों के मनमाने ढंग से किए गए स्थानांतरण निरस्त कर उन्हें उनकी पूर्व तैनाती पर बहाल किया जाए। संघर्ष समिति ने सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे बिजली कर्मियों के न्यायोचित हितों का समर्थन करते हुए सरकार एवं बिजली प्रबंधन के समक्ष प्रभावी ढंग से अपनी बात रखें तथा इन लंबित मांगों का शीघ्र समाधान कराने में सहयोग करें।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिजली कर्मी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश की विद्युत व्यवस्था में सुध ार, उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने तथा निर्बाध ा विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। बिजली कर्मियों को विश्वास है कि उनके विरुद्ध की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस लिए जाने से उनका मनोबल एवं सम्मान बढ़ेगा और वे पूरी ऊर्जा, प्रतिबद्धता एवं मनोयोग के साथ प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को और बेहतर बनाने में अपना योगदान देते रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस ने मनाई पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि



लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। भारत की स्वाध ीनता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं 'पंजाब केसरी' के नाम से प्रसिद्ध लाला लाजपत राय जी की पुण्यतिथि आज यहां उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में मनाई गई। इस मौके पर मौजूद वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने लाला लाजपत राय जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अप्रित की तथा देश की आजादी में उनके अद्वितीय योगदान, संघर्ष और बलिदान को स्मरण किया।

इस मौके पर कांग्रेसजनों ने कहा कि लाला लाजपत राय जी के सिद्धांतों और आदर्शों को अपनाते हुए देश के लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक सद्भाव की रक्षा करने का संकल्प लेने की आवश्यकता है यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस मौके पर प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव–सहप्रभारी उ0प्र0 श्री अब्दुल हन्नान, श्री वीरेन्द्र मदान, श्री संजय शर्मा, श्री ओंकारनाथ सिंह, श्री नितिन शर्मा, डा0 आर.सी. उप्रेती, श्री आशुतोष मिश्रा, डा0 रिचा शर्मा, श्रीमती शीला मिश्रा, डा0 रेहान अहमद खान, श्री सुबोध श्रीवास्तव, श्री वेद प्रकाश त्रिपाठी, श्री अनिल शुक्ला, सहित तमाम कांग्रेसजन मौजूद रहे।

मिशन–2027 की रणनीति पर मंथन : मथुरा की प्रदेश योजना बैठक में शामिल हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ/मथुरा। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मंगलवार को मथुरा के परखम गांव



स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शद्विदिवसीय प्रदेश योजना बैठकश के दूसरे दिन शामिल हुए। आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक रणनीति को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से इस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है। इससे पूर्व, कृषि मंत्री लखनऊ एयरपोर्ट से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ विशेष विमान द्वारा आगरा के लिए रवाना हुए, जहां से वे सड़क मार्ग द्वारा मथुरा पहुंचे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बी.एल. संतोष और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में चल रही इस बैठक में प्रदेश के आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों, किसान कल्याण योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर गहन चर्चा की जा रही है।

स्थानीय निकाय महासंघ वोट की चोट की तरफ अग्रसर

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी की प्रदेश कार्य समिति की बैठक 18 नवंबर 2026 को दोपहर 12.00 बजे नगर निगम इकाई लखनऊ में आहूत की गई है। जिसमें प्रदेश के निकाय कर्मचारियों की लंबित मांगों पर गहन विचार विमर्श एवं उच्च न्यायालय के पारित आदेश 27 जुलाई 2026 पर अभी तक नगर विकास विभाग द्वारा कोई कार्यवाही न किए जाने पर भी विचार विमर्श कर दिसंबर माह में लखनऊ राजधानी की विधानसभा पर एक बडे आन्दोलन की रुपरेखा को अमली जामा पहनाने का काम किया जायेगा। बैठक में वोट की चोट पर निर्णय लिया जा सकता है। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के शशि कुमार मिश्र प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश की सभी इकाइयों के संघ संगठनों एवं महासंघ के जुझारू साथियों का आवाहन किया है कि प्रदेश सरकार स्थानीय निकाय कर्मचारियों के साथ जो सौतेला व्यवहार कर रही है इसको अब सड़क पर उतरकर आंदोलन के माध्यम से समाधान कराने का आखरी मौका विधानसभा के चुनाव के पूर्व ही बचा है। महासंघ के प्रान्तीय पदाधिकारियो ने प्रदेश सरकार व नगर विकास से समय रहते वर्षो से लम्बित समस्याओ का समाधान करने का अनुरोध किया, वरना अगामी चुनाव में प्रदेश का निकाय कर्मचारी व उसके लाखो परिवार जन लेगें निर्णायक निर्णय करेगे, वोट पर चोट का निर्णय लेने को तैयार है।

स्थानीय निकाय महासंघ वोट की चोट की तरफ अग्रसर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी की प्रदेश कार्य समिति की बैठक 18 नवंबर 2026 को दोपहर 12.00 बजे नगर निगम इकाई लखनऊ में आहूत की गई है। जिसमें प्रदेश के निकाय कर्मचारियों की लंबित मांगों पर गहन विचार विमर्श एवं उच्च न्यायालय के पारित आदेश 27 जुलाई 2026 पर अभी तक नगर विकास विभाग द्वारा कोई कार्यवाही न किए जाने पर भी विचार विमर्श कर दिसंबर माह में लखनऊ राजधानी की विधानसभा पर एक बडे आन्दोलन की रुपरेखा को अमली जामा पहनाने का काम किया जायेगा। बैठक में वोट की चोट पर निर्णय लिया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के शशि कुमार मिश्र प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश की सभी इकाइयों के संघ संगठनों एवं महासंघ के जुझारू साथियों का आवाहन किया है कि प्रदेश सरकार स्थानीय निकाय कर्मचारियों के साथ जो सौतेला व्यवहार कर रही है इसको अब सड़क पर उतरकर आंदोलन के माध्यम से समाधान कराने का आखरी मौका विधानसभा के चुनाव के पूर्व ही बचा है। महासंघ के प्रान्तीय पदाधिकारियो ने प्रदेश सरकार व नगर विकास से समय रहते वर्षो से लम्बित समस्याओ का समाधान करने का अनुरोध किया, वरना अगामी चुनाव में प्रदेश का निकाय कर्मचारी व उसके लाखो परिवार जन लेगें निर्णायक निर्णय करेगे, वोट पर चोट का निर्णय लेने को तैयार है।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर अखिलेश यादव का हमला, कहा– गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों का अगला ठिकाना जेल होगा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। मंगलवार को सोशल मीडिया मंच श्एक्सश (र) के माध्यम से अखिलेश यादव ने नए नाम जोड़ने के लिए इस्तेमाल होने वाले श्फॉर्म–6श में बड़े पैमाने पर अनियमितता और फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ने का आरोप लगाया।

सपा प्रमुख ने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मतदाता सूची में हेराफेरी के सबूत मिलते हैं, तो संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी और भ्रष्ट अधिकारियों का अगला ठिकाना जेल होगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) को बूथ स्तर पर सतर्क रहने का निर्देश देते हुए आशंका जताई कि राजनीतिक दलों को दी जाने वाली मतदाता सूची और मतदान के दिन पीठासीन अधिकारियों के पास रहने वाली सूची में अंतर करके श्पीडीएश (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) और सपा समर्थकों के वोट काटे जा सकते हैं।

इस दौरान अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी तंज कसा और कहा कि उन्हें अपना बुलडोजर चुनाव आयोग की तरफ मोड़ना चाहिए। गौरतलब है कि राज्य की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 18.84 लाख नए मतदाताओं के जुड़ने के बाद कुल मतदाताओं की संख्या 13.58 करोड़ हो गई है।

ढाई साल बाद आज गोरखपुर पहुंचेंगे अखिलेश, करेंगे 20 किमी लंबा रोड शो

दूसरी ओर, आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए अखिलेश यादव बुधवार (18 नवंबर) को करीब ढाई साल बाद मुख्यमंत्री के गढ़ गोरखपुर के दौरे पर रहेंगे। वे एयरपोर्ट से चौरी चौरा विधानसभा क्षेत्र के देवकहिया गांव तक श्पीडीए रथश के जरिए करीब 20 किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे और एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरे के माध्यम से सपा की नजर गोरखपुर और बस्ती मंडल की 41 विधानसभा सीटों पर चुनावी माहौल बनाने पर है। वहीं, 2027 चुनाव के लिए सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर प्रस्तावित बैठक फिलहाल टल गई है, जो अब 23 से 25 नवंबर के बीच दिल्ली में होने की संभावना है।

वर्टिकल व्यवस्था की विफलता का खामियाजा भुगत रहे बिजली उपभोक्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली दरों की सुनवाई के दौरान उपभोक्ता परिषद ने वर्टिकल व्यवस्था की विफलताओं को प्रमुखता से उठाया था। इस पर उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट सलाह दी कि बिजली कंपनियों द्वारा लागू वर्टिकल व्यवस्था का किसी प्रोफेशनल एजेंसी से पॉलिसी इम्पैक्ट असेसमेंट कराया जाए और उसकी रिपोर्ट के आधार पर कमियों को दूर करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही सबस्टेशन एवं फीडर स्तर पर पर्याप्त अनुरक्षण स्टाफ की उपलब्धता का पुनर्मूल्यांकन कराया जाए। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा कि अभी उत्पादन निगम में अभियंताओं की परीक्षा को लेकर उठा विवाद शांत भी नहीं हुआ था कि अब दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में वर्टिकल व्यवस्था की समीक्षा कराने के बजाय उसमें तैनात अधीक्षण अभियंताओं की परीक्षा कराने का आदेश जारी कर दिया गया।

लेकिन हैरानी की बात है कि यूपीईआरसी द्वारा वर्टिकल व्यवस्था की च। के माध्यम से समीक्षा कराने की सलाह के बावजूद बिजली कंपनियां वर्टिकल में तैनात अधीक्षण अभियंताओं की परीक्षा कराने में जुट गई हैं। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, आगरा ने 17 नवंबर 2026 को कार्यालय ज्ञाप जारी कर 2 दिसंबर 2026 को सभी अधीक्षण अभियंताओं (वितरणध्वर्टिकल) की तकनीकी, वाणिज्यिक एवं प्रशासनिक कार्यों से संबंधित लिखित परीक्षा कराने का आदेश जारी किया है। अवध ेश कुमार वर्मा ने सवाल उठाया कि जब वर्टिकल व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, उपभोक्ता परेशान हैं और नियामक आयोग स्वयं इसकी स्वतंत्र एजेंसी से समीक्षा कराने की सलाह दे चुका है, तो बिजली कंपनियां वर्टिकल व्यवस्था की पीआईए कराने के बजाय उसमें तैनात अभियंताओं की परीक्षा को प्राथमिकता क्यों दे रही हैं ? उन्होंने कहा कि बिजली कंपनियों को आयोग की सलाह के अनुरूप पहले वर्टिकल व्यवस्था का निष्पक्ष मूल्यांकन कराना चाहिए। फील्ड में सबस्टेशन और फीडर स्तर पर पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्ध ता सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकें। उपभोक्ता परिषद की मांग है कि अभियंताओं की परीक्षा से पहले वर्टिकल व्यवस्था की च। कराई जाए और न्म्त्ब् की सलाह का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। आखिर जवाबदेही व्यवस्था की समीक्षा से तय होगी या केवल अभियंताओं की परीक्षा से ऐसा हो पाएगा ?

अखिलेश यादव भगवान श्रीकृष्ण के भक्त हैं तो मथुरा में मंदिर निर्माण के लिए आगे आये : केशव

लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार जनकल्याण, विकास और सुशासन के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। सरकार की उपलब्धियों से प्रदेश की जनता में उत्साह और विश्वास का वातावरण है। चारों ओर विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है।श्री मौर्य ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि हम कल भी कहते थे और आज भी कहते हैं कि अयोध्या हुई हमारी है, अब मथुरा की बारी है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि वह वास्तव में भगवान श्रीकृष्ण के भक्त हैं तो उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए आगे आना चाहिए और इसके लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा करने से शायद समाजवादी पार्टी की राजनीतिक डूबती नैया को कुछ सहारा मिल जाए और उसकी 2017 वाली राजनीतिक स्थिति बची रह जाए, हालांकि समाजवादी पार्टी की राजनीति पर भरोसा करना मुश्किल है।विशेष गहन पुनरीक्षण एवं मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने के संबंध में पूछे गए सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मतदाता जागरूकता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए पूरी सक्रियता से कार्य कर रही है। अन्य राजनीतिक दल भी इस प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पात्र नागरिकों को अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाना चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि जिनकी आयु मतदाता बनने की निर्धारित पात्रता पूरी करती है, वे अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। भारतीय जनता पार्टी जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं के परिश्रम से लगातार मजबूत हो रही है। भाजपा जहां एक बार सत्ता में आती है, वहां बार–बार जनता का विश्वास प्राप्त करती है।

गोपाष्टमी पर लक्ष्मण गौशाला में गूंजे वैदिक मंत्र, विधायक डा. बोरा ने किया गौपूजन

गौवंश का संरक्षण और संवर्धन हमारी सांस्कृतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी

लखनऊ। गोपाष्टमी के पावन पर्व पर लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने जानकीपुरम स्थित लक्ष्मण गौशाला पहुंचकर विधि–विधान से गौपूजन किया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा–अर्चना संपन्न हुई। विध ायक ने गौमाता को गुड़, केला एवं हरा चारा खिलाकर गौसेवा की और गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में गौमाता का अत्यंत विशिष्ट स्थान है। गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गाय हमारे ध ार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग है। भारतीय पूजा पद्धति में भी गाय से प्राप्त दूध, गोबर एवं गोमूत्र का विशेष महत्व है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गोवंश की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए अनेक महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए जगह–जगह गोशालाओं की व्यवस्था की गई है। गोशालाएं असहाय एवं निराश्रित गोवंश के संरक्षण का महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इनकी बेहतर व्यवस्था, नियमित देखभाल, पौष्टिक आहार और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना हम सभी का दायित्व है।

विधायक ने कहा कि गोपाष्टमी का पर्व हमें सेवा, करुणा और संवेदना के साथ गौमाता के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। गौमाता की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना चाहिए। उन्होंने सभी से गौसेवा एवं गोवंश संरक्षण के कार्यों में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की।

इस अवसर पर सौरभ वाल्मीकि, सौरभ तिवारी, सतीश वर्मा, सुदर्शन कटिहार, बृजमोहन मिश्रा, सी.के. वर्मा, शैलेंद्र स्वर्णकार, संजीव तिवारी, रामअनुज तिवारी, अशोक त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, गौरव तिवारी, प्रमोद सिंघल, दया पांडे, रूपाली गुप्ता, जया पांडे, रंजना दुबे, राकेश पांडे, सौरभ मिश्रा सहित गौशाला के पदाधिकारी गजेंद्र सिंह एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी विचारधारा के पोषक थे अशोक सिंघलः केशव

लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को मथुरा में श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के महानायक एवं विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर उनके स्मृति–चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अशोक सिंघल राष्ट्रवादी विचारधारा, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक समरसता के प्रखर संवाहक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, धर्मनिष्ठा तथा भारतीय सभ्यता और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित कर दिया। उनका तपस्वी जीवन, सादगी, त्याग और समर्पण की भावना सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को राष्ट्रचेतना का विराट स्वर देने में अशोक सिंघल का अतुलनीय योगदान रहा। अशोक सिंघल की पुण्य स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि मातृभूमि की सेवा, धर्म रक्षा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए उनके द्वारा किया गया योगदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है।

गोसेवा, गोरक्षा, गोसंरक्षण व गोसंवर्धन था रमेश बाबा के जीवन का उद्देश्य:योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि रमेश बाबा ने हम सभी को समृद्ध विरासत सौंपी है। उनके जीवन का उद्देश्य लोककल्याण, गोसेवा, गोरक्षा, गोसंरक्षण व गोसंवर्धन था। वह स्वयं भले अभाव में रहे, लेकिन अपने हर कार्य को लोककल्याण को समर्पित करते हुए पूरा जीवन लगा दिया। हम सभी को इसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयत्न करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आध्यात्मिक गुरु, माताजी गोशाला के संस्थापक, ब्रह्मलीन संत 'पद्मश्री' रमेश बाबा को श्रद्धांजलि दी। बरसाना स्थित मान माता गोशाला में मुख्यमंत्री ने मंगलवार को रमेश बाबा के चित्र पर पुष्पार्चन किया। मुख्यमंत्री ने 12 यूनिट वाले फ्री डायलिसिस केंद्र का भी शुभारंभ किया। भारत की सनातन संस्कृति ऋषि व कृषि प्रधान है। ऋषि व कृषि परंपरा के बीच गोमाता सेतु का काम करती हैं। सीएम योगी ने रमेश बाबा के अनुयायियों व शिष्यों से उनके संकल्पों को पूरा करने का आह्वान किया और सभी को आश्वस्त किया कि सरकार आपके कदम से कदम मिलाकर कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति व ऋषि परंपरा का जिक्र करते हुए गो को माता बताया, कहा कि 9–10 वर्ष पहले जब यहां आया था तब भी देखा–ट्रस्ट के माध्यम से हजारों गायों की देखभाल होती थी। रमेश बाबा ने उस समय कुछ प्रकल्पों की चर्चा की थी, जो आज भी यहां लागू हैं। 10 वर्ष पहले यहां केवल सूखी पहाड़ी दिखाई देती थी, आज हरियाली दिखाई दे रही है। इस पवित्र स्थल का दर्शन करके अनुभूति हो रही है कि गोमाता पूरे क्षेत्र को तीर्थ बना देती है। इस गोशाला ट्रस्ट से जुड़े क्षेत्र की हरियाली व आध्यात्मिकता को देखकर इसका अंदाजा भी लगाया जा सकता है।

संपादकीय

एआई के संकल्प

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अघोषित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस शृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू–राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है। निश्चित रूप से 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति शृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है। ऐसे में नये भरोसेमंद साझेदारों के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिल सकती है। विडंबना यह भी है कि यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति की अगुवाई करने वाली शीर्ष कंपनियों में से एक–एनवीडिया विवादों में घिरी है और उसके शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। विवाहेतर संबंधों व कथित चीनी जासूस से संबंधों को लेकर इसके संस्थापक जेनसेन हुआंग को एनवीडिया से बाहर जाना पड़ा है। इस अनिश्चितता के बीच, टेक कंपनियों द्वारा एनवीडिया की चिप्स और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में किए जा रहे भारी निवेश की निरंतरता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

नियंत्रण में सिर्फ बयान बाकी सब धुआं-धुआं

दुनिया की सबसे बड़ी ताकत का आसमान इसलिए रुक गया कि पायलट और नियंत्रण कक्ष एक–दूसरे को सुन नहीं पाए। ऐसा संकट तो हमारे यहां हर दफ्तर में रोज आता है, पर अमेरिका में सुनने में रुकावट हो, तो फाइल रुकती है। यहां कोई कुछ न सुने, तो भी देश चलता है।

कहीं कुछ काम सही नहीं हो रहा। अमेरिका में हवाई यातायात रुक गया। दिल्ली में खराब हवा के चलते सांस रुकने का खतरा है और नवंबर में पंखे चल रहे हैं।

अमेरिका में कुछ दिन पहले सारी उड़ानें जमीन पर रोक दी गईं। यानी दुनिया की सबसे बड़ी ताकत का आसमान इसलिए रुक गया कि पायलट और नियंत्रण कक्ष एक–दूसरे को सुन नहीं पाए। ऐसा संकट तो हमारे यहां हर दफ्तर में रोज आता है, पर अमेरिका में सुनने में रुकावट हो, तो फाइल रुकती है। यहां कोई कुछ न सुने, तो भी देश चलता है।

सरकार और विपक्ष दोनों हर साल की तरह जिम्मेदारी तय कर रहे हैं। एक पक्ष पड़ोसी राज्य की पराली की ओर उंगली उठाता है, दूसरा पक्ष दूसरी सरकार की ओर। उंगलियां इतनी उठ रही हैं कि हवा में जगह बची ही नहीं। जिम्मेदारी हवा में टंगी है और हवा ऐसी है कि टंगी चीज भी दिखती नहीं। यह धुंध का योगदान है कि किसी की गलती साफ नजर नहीं आती।

और बाकी बचे हम, जो नवंबर में पंखे चला रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं, ठंड आ रही है। हम कहते हैं, पंखा आ चुका है। जिस शहर में सर्दी की जगह धुआं आए, वहां पंखे का इस्तेमाल भी नए अर्थ में होता है। लोग पंखा इसलिए नहीं चलाते कि गर्मी है, बल्कि इसलिए चलाते हैं कि शायद धुआं घर से बाहर ढकेल सके। पंखा अब हवा देने की मशीन नहीं, धुएं को इधर से उधर करने की मशीन है। यह वही भाव है, जिससे हमारे यहां फाइलें एक मेज से दूसरी मेज पर घुमाई जाती हैं। समस्या हल नहीं होती, बस जगह बदल लेती है।

एक सज्जन बोले, हवा साफ करने वाला यंत्र लगवा लिया है। मैंने पूछा, खर्च कितना आया? बोले, इतना जितने में पहले साफ हवा वाला पूरा हिल स्टेशन आ जाता था। अब साफ हवा भी निजी सुविधा है, सार्वजनिक अधिकार नहीं। जिनके पास पैसा है, उनके घर में हवा का इंतजाम है, जिनके पास नहीं, उनके पास सरकारी सलाह है कि सुबह की सैर मत कीजिए, घर के अंदर रहिए। औकात नहीं तो सांस क्यों लेते हो। अमेरिका और दिल्ली में बुनियादी समानता यही है। दोनों जगह जिसे चलना चाहिए था, वह रुका है। यहां हवा बरसों से रुकी है, खबर हर साल छपती है और सुधार का वादा अगले नवंबर तक के लिए टल जाता है। संचार की खराबी वहां मशीन में थी, यहां नीयत में है।

मठाधीशों को अपराध से अभयदान नहीं

गिरीश नाथ

अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है। भारतीय संस्कृति में 'संत' या 'गुरु' शब्द त्याग, वैराग्य, करुणा और आत्मिक शुचिता का प्रतीक रहा है। विगत कुछ दशकों से इस पावन आंगन में एक ऐसा वर्ग पनप रहा है, जिसने वैराग्य के स्थान पर वैभव और साधना के स्थान पर साम्राज्यवाद को अपना लिया है। हाल ही में उज्जैन के एक स्वामी महाराज पर एक महिला द्वारा गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज होने तथा केंद्रीय संस्था द्वारा उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित किए जाने की घटना ने समाज को विचलित किया।

आज के तथाकथित बाबाओं द्वारा खड़ा किया गया विशाल तामझाम, आलीशान आश्रम, लग्जरी गाड़ियां और निजी सुरक्षा गार्ड्स का लवाजमा भारतीय अध्यात्म के मूल सिद्धांत 'अपरिग्रह' का सीधा उल्लंघन है। आखिर शिक्षित लोग भी इन मठाधीशों व स्वयंभू बाबाओं के मायाजाल में कैसे फंस जाते हैं? मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से देखें तो 'भक्तों को मूर्ख बनाने की कला' मुख्य रूप से मानवीय भय, असुरक्षा, दुःख और चमत्कार की लालसा पर टिकी होती है। ये स्वयंभू गुरु स्वयं को ईश्वर का प्रतिनिधि घोषित कर पीआर तंत्र के माध्यम से एक आभासी आभामंडल तैयार करते हैं। फिर संकटग्रस्त व्यक्तियों का भावनात्मक व आर्थिक शोषण करते हैं। सच्ची भक्ति व्यक्ति को निर्भय और विवेकशील बनाती है, जबकि पाखंडी गुरुओं द्वारा परोसा गया अंधविश्वास व्यक्ति की तर्कशक्ति को समाप्त कर उसे मानसिक गुलाम बना देता है। भारतीय संविधान और कानून में धर्म की आड़ में अपराध की कोई छूट नहीं है। अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है। इसके अतिरिक्त, भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2) के तहत आश्रम या ट्रस्ट के पद का दुरुपयोग कर दुष्कर्म करना 'गुरुतर अपराध' है, जिसमें न्यूनतम 10 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। भारतीय न्यायपालिका ने भी स्पष्ट किया है कि आध्यात्मिक पद अपराधियों के लिए ढाल नहीं बन सकता। आसाराम बापू और गुरमीत राम रहीम मामलों में अदालतों ने रेखांकित किया कि जब समाज का एक बड़ा वर्ग किसी व्यक्ति को 'गुरु' मानकर अटूट विश्वास करता है तो उसका नैतिक और कानूनी दायित्व और बढ़ जाता हैय ऐसे पद का दुरुपयोग कर समाज के साथ विश्वासघात है। इसके अतिरिक्त, शिरूर मठ केस (1954) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि धर्म का 'अनिवार्य हिस्सा' क्या है, इसका निर्धारण न्यायालय करेगा, और कोई भी अनैतिक या आपराधिक कृत्य धर्म का हिस्सा नहीं हो सकता। विश्व के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी धार्मिक गुरुओं और पंथों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के विरुद्ध कठोर कानून हैं। भारत के संदर्भ में यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या तथाकथित संतों पर लगाम कसने के लिए किसी विशेष कानून की आवश्यकता है? वर्तमान में महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में 'अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून' लागू हैं, परंतु राष्ट्रीय स्तर पर आश्रमों के नियमन हेतु कोई समग्र केंद्रीय कानून नहीं है। भारतीय न्याय संहिता में दुष्कर्म के खिलाफ पर्याप्त प्रावधान हैं, किंतु 'मानसिक शोषण' और धार्मिक ट्रस्टों की बेनामी संपत्ति के ऑडिट के लिए एक विशेष 'धार्मिक संस्था एवं आश्रम विनियमन अधिनियम' बनाने की नितांत आवश्यकता है। ऐसा कानून फर्जी बाबाओं पर अंकुश लगाएगा।एक महत्वपूर्ण पहलू 'आध्यात्मिक कदाचार' और 'संस्थागत उत्तरदायित्व' का भी है। जिस प्रकार लापरवाही पर डॉक्टर का लाइसेंस रद्द होता है, उसी तरह कोई महत्वपूर्ण उपाधि देने से पहले व्यक्ति की पृष्ठभूमि जांचना अखाड़ों का दायित्व होना चाहिए। यदि पद देने से पहले ही कठोर चरित्र सत्यापन किया जाए, तो अपराधी प्रवृत्ति के लोग धर्म के शीर्ष पदों तक पहुंच ही नहीं पाएंगे। सर्वप्रथम, सभी आश्रमों व ट्रस्टों का अनिवार्य पंजीकरण और प्रमाणित ऑडिटरों से वार्षिक ऑडिट कराया जाए। द्वितीय, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा हेतु आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य हो। तृतीय, नियामक संस्था द्वारा 'राष्ट्रीय आध्यात्मिक आचार संहिता' बनाकर निजी विलासिता और राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक लगाए। साथ ही, नागरिकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण (अनुच्छेद 51क(ज)) विकसित किया जाए, ताकि समाज चमत्कारों के भ्रम से मुक्त रह सके। कानून को कठोरता से काम करना चाहिए और समाज को विवेकशील रहना चाहिए, क्योंकि सच्ची आस्था अंधी नहीं, बल्कि प्रकाश की ओर ले जाने वाली दिव्य दृष्टि है।

भारतीय संस्कृति में 'संत' या 'गुरु' शब्द त्याग, वैराग्य, करुणा और आत्मिक शुचिता का प्रतीक रहा है। विगत कुछ दशकों से इस पावन आंगन में एक ऐसा वर्ग पनप रहा है, जिसने वैराग्य के स्थान पर वैभव और साधना के स्थान पर साम्राज्यवाद को अपना लिया है। हाल ही में उज्जैन के एक स्वामी महाराज पर एक महिला द्वारा गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज होने तथा केंद्रीय संस्था द्वारा उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित किए जाने की घटना ने समाज को विचलित किया।

आज के तथाकथित बाबाओं द्वारा खड़ा किया गया विशाल तामझाम, आलीशान आश्रम, लग्जरी गाड़ियां और निजी सुरक्षा गार्ड्स का लवाजमा भारतीय अध्यात्म के मूल सिद्धांत 'अपरिग्रह' का सीधा उल्लंघन है। आखिर शिक्षित लोग भी इन मठाधीशों व स्वयंभू बाबाओं के मायाजाल में कैसे फंस जाते हैं? मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से देखें तो 'भक्तों को मूर्ख बनाने की कला' मुख्य रूप से मानवीय भय, असुरक्षा, दुःख और चमत्कार की लालसा पर टिकी होती है। ये स्वयंभू गुरु स्वयं को ईश्वर का प्रतिनिधि घोषित कर पीआर तंत्र के माध्यम से एक आभासी आभामंडल तैयार करते हैं। फिर संकटग्रस्त व्यक्तियों का भावनात्मक व आर्थिक शोषण करते हैं। सच्ची भक्ति व्यक्ति को निर्भय और विवेकशील बनाती है, जबकि पाखंडी गुरुओं द्वारा परोसा गया अंधविश्वास व्यक्ति की तर्कशक्ति को समाप्त कर उसे मानसिक गुलाम बना देता है।

भारतीय संविधान और कानून में धर्म की आड़ में अपराध की कोई छूट नहीं है। अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है। इसके अतिरिक्त, भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2) के तहत आश्रम या ट्रस्ट के पद का दुरुपयोग कर दुष्कर्म करना 'गुरुतर अपराध' है, जिसमें न्यूनतम 10 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

भारतीय न्यायपालिका ने भी स्पष्ट किया है कि आध्यात्मिक पद अपराधियों के लिए ढाल नहीं बन सकता। आसाराम बापू और गुरमीत राम रहीम मामलों में अदालतों ने रेखांकित किया कि जब समाज का एक बड़ा वर्ग किसी व्यक्ति को 'गुरु' मानकर अटूट विश्वास करता है तो उसका नैतिक और कानूनी दायित्व और बढ़ जाता हैय ऐसे पद का दुरुपयोग कर समाज के साथ विश्वासघात है। इसके अतिरिक्त, शिरूर मठ केस (1954) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि धर्म का 'अनिवार्य हिस्सा' क्या है, इसका निर्धारण न्यायालय करेगा, और कोई भी अनैतिक या आपराधिक कृत्य धर्म का हिस्सा नहीं हो सकता।

विश्व के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी धार्मिक गुरुओं और पंथों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के विरुद्ध कठोर कानून हैं। भारत के संदर्भ में यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या तथाकथित संतों पर लगाम कसने के लिए किसी विशेष कानून की आवश्यकता है? वर्तमान में महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में 'अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून' लागू हैं, परंतु राष्ट्रीय स्तर पर आश्रमों के नियमन हेतु कोई समग्र केंद्रीय कानून नहीं है। भारतीय न्याय संहिता में दुष्कर्म के खिलाफ पर्याप्त प्रावधान हैं, किंतु 'मानसिक शोषण' और धार्मिक ट्रस्टों की बेनामी संपत्ति के ऑडिट के लिए एक विशेष 'धार्मिक संस्था एवं आश्रम विनियमन अधिनियम' बनाने की नितांत आवश्यकता है। ऐसा कानून फर्जी बाबाओं पर अंकुश लगाएगा। एक महत्वपूर्ण पहलू 'आध्यात्मिक कदाचार' और 'संस्थागत उत्तरदायित्व' का भी है। जिस प्रकार लापरवाही पर डॉक्टर का लाइसेंस रद्द होता है, उसी तरह कोई महत्वपूर्ण उपाधि देने से पहले व्यक्ति की पृष्ठभूमि जांचना अखाड़ों का दायित्व होना चाहिए।

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत अंबानी की मानवीय सेवा यात्रा

ललित गर्ग

अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं।

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है–क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों–खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण–संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन–दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'–स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है। लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव–व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है। अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को जन्म देती है–किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव–जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं, जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं। यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग–घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है, तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है। वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं।

प्रदूषणों के बीच पर्व

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर छठ पर्व पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और इस दिव्य उत्सव को प्रकृति को समर्पित दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम बताया। इस बार बिहार में वोट हासिल करने के लिए भावनाओं को भुनाने की जरूरत नहीं है, तो छठ पर लिखित बधाई देकर ही नरेन्द्र मोदी ने काम चला लिया। वर्ना पिछले साल उन्हें घाट पर अर्घ्य देने का वीडियो बनवाना पड़ा था। हालांकि प्रधानमंत्री के लिए साफ पानी से युक्त घाट बनाया गया था, आम जनता जिस मैले और जहरीले पानी में खड़े होकर पूजा करने और अर्घ्य देने पर मजबूर होती है, उस अभिशाप से प्रधानमंत्री की कुर्सी उन्हें बचा लेती है। वैसे इस बार दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की भी अर्घ्य देते तस्वीरें आई हैं। छठ जैसे अनूठे और अद्भुत लोकपर्व को बड़ी तेजी से राजनीतिक हथकंडों का जरिया बनाया जा रहा है, यह खतरनाक है। यह एक बड़ी चिंता का विषय है, जिस पर श्रद्धालुओं को ही विचार करना होगा। लेकिन इसके साथ ही एक अन्य बड़ी चिंता और है। पिछले कई सालों की तरह इस बार भी छठव्रतियों को गंदे पानी में खड़े होकर अर्घ्य देना पड़ा। छठ में साफ–सफाई का बड़ा महत्व है। घाटों की सफाई से लेकर घर में बनने वाले प्रसाद तक हर चीज में शुद्धता का खास ख्याल रखा जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं रहा। अपने घरों पर तो लोग सफाई का ख्याल रख लेते हैं, लेकिन सार्वजनिक घाटों और नदियों को साफ बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की है, जिसे निभाने में वे नाकाम रहे हैं। संपन्न लोग अपने घरों और रिहायशी इलाकों में बने तरणतालों यानी स्वीमिंग पूल्स में खड़े होकर अर्घ्य देने लगे हैं। जबकि गरीब घरों से आने वाले श्रद्धालु किसी तरह अपने लिए किसी नदी, पोखर, नाले के किनारे घाट बना रहे हैं। यह वर्ग विभाजन भी चिंताजनक है, क्योंकि छठ में पहले कभी इस तरह गरीब–अमीर का भेद नहीं होता था। बहरहाल, जलप्रदूषण को रोकने–थामने का एक बढ़िया अवसर छठ पूजा के तौर पर मिलता रहा है, लेकिन अफसोस कि अब प्रदूषण भी राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का जरिया बन चुका है। अभी दिल्ली में ही छठ पूजा से ठीक पहले वजीराबाद, बुराड़ी और सोनिया विहार के पास यमुना नदी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां तैरती हुई पाई गईं। जिसके बाद आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि यमुना में प्रदूषण और पानी में घुलित ऑक्सीजन का स्तर बेहद कम होने की वजह से ये मछलियां मरी हैं। वहीं सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने इसे एक सियासी साजिश बताया है और दावा किया है कि बाहर से मरी हुई मछलियां लाकर यमुना में डाली गई हैं ताकि दिल्ली सरकार की छवि खराब की जा सके। इसके बाद सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की शिकायत पर वजीराबाद पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने वीडियो बनाने वाले और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले सुरेंद्र कुमार आजाद नामक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया था, जिसे बाद में जमानत मिल गई। अब छठ का पर्व बीत चुका है, और साथ ही इस मुद्दे को भी बीता हुआ मान लिया गया है कि यमुना नदी में मरी हुई मछलियां मिलीं। अगर वाकई किसी ने ऐसी साजिश की थी तो दिल्ली सरकार और पुलिस अब तक उसका पता क्यों नहीं लगा पाई। और अगर ऐसा नहीं था, तो फिर क्या यह नहीं मान लेना चाहिए कि प्रदूषण के कारण ही मछलियां मरी हैं।



क्योंकि स्वस्थ जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए पानी में घुली हुई ऑक्सीजन कम से कम 5 मिलीग्राम प्रति लीटर होनी चाहिए। इससे स्तर गिरने पर जलीय जीवों का जीवन खतरे में पड़ जाता है। यह पता लगाना आखिर कितना कठिन काम है कि यमुना नदी के पानी में इस समय ऑक्सीजन का स्तर क्या है। अगर वह मानक से कम है, तो उस पर सुधार की कोशिश होनी चाहिए। ताकि नदी को बचाया जा सके। लेकिन भाजपा सरकार की दिलचस्पी सुधारात्मक कार्य करने की जगह प्रचार पर है। अभी दिल्ली सरकार ने यमुना नदी में नमो यमुना क्रूज सफारी को शुरु किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि पहले यमुना जी में लोग जाने के लिए तरस जाते थे। छठी मैया की पूजा करने के लिए घाट पर नहीं जाने दिया जाता था। लेकिन कमल की सरकार ने पहले ही साल छठ का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि इस साल छठ का पिछले साल से भी ज्यादा भव्य आयोजन होगा। अब कैसा भव्य आयोजन हुआ है यह पूरा देश देख रहा है। जहरीले झाग वाले पानी में खड़े होकर श्रद्धालुओं ने पूजा की। खैर, यमुना नदी को साफ करने की जगह क्रूज शुरु करके और गंदगी फैलाने का इंतजाम किया गया है। क्योंकि क्रूज प्वाइंट पर खाने–पीने से लेकर खेल आदि कई तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। ऐसा नहीं है कि केवल यमुना नदी ही गंदी हुई है, 1950 के दशक में इंग्लैंड की टेम्स नदी को भारी प्रदूषण और सीवेज के कारण श्जैविक रूप से मृत्यु घोषित कर दिया गया था। लेकिन फिर 1976 में टेम्स नदी में गिरने वाले सीवेज को बिना उपचार के नहीं छोड़ा जाएगा, इसके कड़े नियम बनाए गए। फिर 25 किलोमीटर लंबा श्टेम्स टाइडवे टनल्य जैसा सुपर सीवर प्रोजेक्ट पूरा किया गया, इससे टेम्स के पानी को गंदगी से बचाया गया। फिर नदी में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाने और मछलियों को मरने से बचाने के लिए 1980 के दशक में श्टेम्स बबलरय्च नामक तैरते हुए ऑक्सीजनरेटर लगाए गए। 1989 में मार्गरेट थैचर के कार्यकाल में जल कंपनियों का निजीकरण किया गया और श्राष्ट्रीय नदी प्राधिकरणय्च का गठन हुआ, जिसने औद्योगिक कचरे और रसायनों पर कड़ी नजर रखी। इन उपायों का ही असर है कि आज टेम्स नदी में दोबारा 115 से अधिक प्रजातियों की मछलियां और अन्य जलीय जीव लौट आए हैं। ऐसे ही उपाय पेरिस, बीजिंग, बैंकाक आदि शहरों में जल या वायुप्रदूषण रोकने के लिए किए गए। आरोप–प्रत्यारोप हर देश में होते हैं। लगभग सभी देशों में सरकारों को पूंजीपतियों से तालमेल बनाकर चलना पड़ता है। औद्योगिक विकास के लिए भी तमाम उपाय होते हैं, लेकिन इन सबके बीच लोगों को प्रदूषण से बचाने के उपाय भी किए जाते हैं। भारत ऐसा क्यों नहीं कर पा रहा।

पराली की चिंगारी से तीन एकड़ गन्ने की फसल राख

- तेज हवा के झोंकों से गन्ने के खेत तक पहुंची आग,
- तीन किसानों को भारी नुकसान





लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। थाना क्षेत्र के धरमेर गांव में धान की पराली जलाना किसानों के लिए भारी नुकसान का कारण बन गया। पराली में लगी आग तेज हवा के झोंकों के चलते पास के गन्ने के खेत तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब तीन एकड़ में खड़ी गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। आग की लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन तेज हवा के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस की 112 सेवा और अग्निशमन विभाग को दी। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही जगदीश, गिरीश, राजू की करीब तीन एकड़ गन्ने की फसल पूरी तरह जल चुकी थी। मौके पर पहुंची अग्निशमन टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

घटना की जानकारी मिलने पर तहसीलदार सुशील कुमार ने बताया कि नुकसान का आकलन करने के लिए लेखपाल और राजस्व निरीक्षक को मौके पर भेजा गया है।

भागवत कथा के समापन श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बस्ती दुबौलिया विकासखंड के ग्राम बेमहरी में श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन कथा समापन के बाद प्रभु का विवाह उत्सव मनाया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। उत्सव के दौरान भजन–कीर्तन और प्रभु के जयकारे लगे। श्रद्धालुओं ने विवाह उत्सव में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में धर्म और सदाचार का संदेश दिया गया और गांव की सुख–समृद्धि की कामना की गई। कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं को ध र्म, भक्ति, प्रेम और सदाचार के रास्ते पर चलने का संदेश दिया गया। उत्सव के दौरान लोगों ने परिवार और गांव की सुख–समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में चंचल सिंह, डब्लू सिंह, महिपाल सिंह, अनिल सिंह और पीयूष सिंह समेत कई ग्रामवासी मौजूद रहे।

बरहज की हुंकार : 74 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं को तरस रहा बरहज, बस स्टैंड–मंडी–अस्पताल की मांग चला हस्ताक्षर अभियान

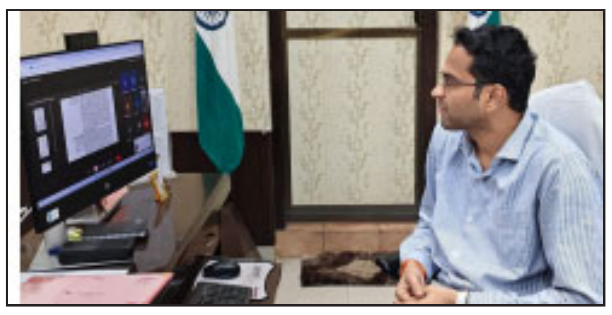
लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर (देवरिया)। बरहज विधानसभा के गठन के 74 वर्ष बीत जाने के बावजूद बरहज नगर आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। इसी उपेक्षा के खिलाफ सोमवार 17 नवंबर 2026 को राष्ट्रीय समानता दल एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के संयुक्त तत्वावधान में चलाया जा रहा हस्ताक्षर अभियान के क्रम में ग्राम सभा महुई कुंवर में ष्बरहज की हुंकारष् कार्यक्रम के अंतर्गत बैठक कर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया । हस्ताक्षर अभियान बैठक में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बरहज नगर जनपद का एक प्रमुख व्यापारिक और शैक्षिक केंद्र है। यहां से प्रतिदिन हजारों छात्र, मरीज और व्यापारी आवागमन करते हैं। लेकिन आज तक यहां न तो कोई सरकारी



बस स्टैंड बना है, न व्यवस्थित सब्जी मंडी और न ही 30 शैय्या का सरकारी अस्पताल। इलाज के लिए लोगों को देवरिया या गोरखपुर जाना पड़ता है। सब्जी विक्रेता सड़क किनारे बैठने को मजबूर हैं और बसों के इंतजार में लोग घंटों खड़े रहते हैं।बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर उत्तर प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन से मांग की गई कि बरहज नगर में अविलंब सरकारी बस स्टैंड, आधुनिक सब्जी मंडी और 30 शैय्या का सरकारी अस्पताल का निर्माण कराया जाए।राष्ट्रीय समानता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजयदीप कुशवाहा ने कहा, ष्74 साल में सरकारों ने बरहज को सिर्फ भाषण और वादे दिए हैं। विकास के नाम पर बरहज को ठगा गया है। अब बरहज की जनता जाग चुकी है। हमारी यह हुंकार तब तक जारी रहेगी जब तक मांगे पूरी नहीं हो जातीं। जिला प्रवक्ता श्रवण कुमार पटेल ने कहा कि बरहज के नौजवानों, महिलाओं और बुजुर्गों को आवागमन और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में सबसे ज्यादा परेशानी होती है। जिला सचिव अभय कुमार ने चेतावनी दी कि यदि तीन महीने में सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाया तो राष्ट्रीय समानता दल बरहज से लखनऊ तक पदयात्रा और बड़ा जनांदोलन करेगा। यह लड़ाई किसी पार्टी की नहीं बल्कि बरहज की अस्मिता और सम्मान की लड़ाई है।कार्यक्रम में संजीव कुमार, इंद्रदेव कुशवाहा, सीताराम कुशवाहा, दीपक पटेल, संदीप पटेल,शेषनाथ कुशवाहा,सुनील पटेल, कमला, अच्छेलाल, त्रिलोकी इत्यादि उपस्थित रहें।

उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से जिला उद्योग बंधु की बैठक हुई। बैठक में औद्योगिक विकास, परियोजनाओं व विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई।

डीएम ने अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने व नए उद्यमों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण दिया जाए। उद्योग स्थापना व संचालन में लंबित अनुमतियों, एनओसी व अन्य प्रकरणों का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए।

औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, विद्युत, जल निकासी, साफ–सफाई व प्रकाश व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। डीएम ने मौके पर परीक्षण कर प्रभावी समाधान के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि निवेशकों व उद्यमियों को बेहतर सुविधा व त्वरित समाधान देना औद्योगिक विकास की प्राथमिक आवश्यकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें।

बैठक में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के आवेदनों, बैंक में लंबित ऋण प्रकरणों, ऋण स्वीकृति व वितरण की प्रगति की भी समीक्षा हुई।

गोपाष्टमी पर बजरंग-दल के कार्यकर्ताओं ने गौशाला में गायों को चारा खिलाया

बहराइच,संवाददाता। जिले के मिहींपुरवा ब्लॉक की सुजौली ग्राम पंचायत में गोपाष्टमी पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अस्थाई गौशाला में गायों और अन्य गौवंश को केला, दाना और हरा चारा खिलाया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा–अर्चना से हुई। गौशाला में मौजूद गायों, बछड़ों और अन्य गौवंश को चारा खिलाया गया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'जय गौमाता' और 'जय श्रीराम' के नारे लगाए। जिला सुरक्षा प्रमुख कृष्णा पाण्डेय के साथ पवन कुमार, शनि कुमार, दीपेश चौहान और बजरंग दल के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। टीम ने गौशाला की व्यवस्थाएं देखीं और चारे–पानी, साफ–सफाई व इलाज के इंतजामों की जानकारी ली। कार्यकर्ताओं ने गौवंश की बेहतर देखभाल का आग्रह किया। कृष्णा पाण्डेय ने कहा कि गोपाष्टमी गौसेवा और गौरक्षा के संकल्प का पर्व है। उन्होंने कहा कि कांजी हाउस में बेसहारा गौवंश की सेवा करना सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर घूमने वाले गौवंश के साथ हादसे हो सकते हैं।

कांजी हाउस में उन्हें चारा, पानी और सुरक्षा मिलती है। बजरंग दल की टीम समय–समय पर यहां गौसेवा करती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने गौमाता की सेवा और रक्षा का संकल्प लिया।

जिला संपर्क केंद्र एवं कंट्रोल रूम का डीएम ने किया उद्घाटन, टोल फ्री नंबर 1950 जारी

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन एवं निर्वाचन संबंधी शिकायतों के लिए मिलेगी सुविधा



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी जानकारी व सुविधा देने के लिए मंगलवार को जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने फीता काटकर जिला संपर्क केंद्र (डीसीसी) एवं कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। जिलाधिकारी ने बताया कि केंद्र के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन, विलोपन, मतदाता पहचान पत्र तथा निर्वाचन संबंधी अन्य जानकारियां दी जाएंगी। प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर समयबद्ध निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक कॉल व शिकायत को गंभीरता से लें और नागरिकों को सही जानकारी व आवश्यक मार्गदर्शन दें।

संपर्क करें –

टोल फ्री नंबर :1950

दूरभाष नंबर : 05568–220071

इस दौरान एडीएम (प्रशासन) प्रेम नारायण सिंह, एएसडीएम अखिलेश कुमार यादव सहित निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने मिल शुरू कराने की मांग

बस्ती,संवाददाता। जिले में लंबे समय से बंद गोविंद नगर चीनी मिल को फिर शुरू कराने की मांग पर मौसमी श्रमिकों का धरना जारी है। मंगलवार दोपहर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह धरना स्थल पहुंचे। पद संभालने के बाद यह उनका पहला दौरा था। श्रमिकों और स्थानीय किसानों ने फूल–माला पहनाकर उनका स्वागत किया। धरने को संबोधित करते हुए सिंह ने मिल जल्द शुरू कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मिल इलाके के हजारों परिवारों की रोजी–रोटी और विकास का आधार है। किसानों और मजदूरों की समस्याएं हल करना उनकी प्राथमिकता है। सिंह ने बताया कि उन्होंने मिल गेट पर चल रहे आंदोलन और श्रमिकों की परेशानियों के बारे में जिला प्रशासन, मुख्यमंत्री और रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह को बताया है। उन्होंने श्रमिकों को भरोसा दिया कि उनकी मांगों के लिए लड़ाई जारी रहेगी। धरने पर बैठे श्रमिकों और किसानों ने ऐश्वर्य राज सिंह के प्रयासों की सराहना की। अमरनाथ चौधरी, मुकेश श्रीवास्तव, विकास सिंह और संतोष चौधरी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष की कोशिशों के बाद गोविंद नगर चीनी मिल नीलामी की प्रक्रिया से बाहर हो गई है और अब इसे नहीं काटा जाएगा। श्रमिकों ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। इस मौके पर सत्येंद्र बहादुर सिंह, स्नेहा प्रकाश शुक्ला और रामचंद्र यादव समेत कई किसान और मजदूर मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर रहेंगी विशेष व्यवस्थाएं, परिवहन मंत्री ने किया ददरी मेले का भूमि पूजन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को ऐतिहासिक ददरी मेले का विधिवत भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेले में बड़ी संख्या में घोड़े और पशु व्यापारी पहुंच चुके हैं, जिससे मेले की रौनक बढ़ गई है।

आगामी कार्तिक पूर्णिमा स्नान की तैयारियों को लेकर मंत्री ने कहा कि गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके लिए पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर रहेगा ताकि स्नानार्थियों को किसी



प्रकार की असुविधा न हो।

शहर को जाम से मिलेगी निजात

बलिया शहर में ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से निजात दिलाने के लिए मंत्री ने अपनी कार्ययोजना साझा की। उन्होंने बताया कि रेलवे उत्तर गेट से अमृतपाली अंडरपास तक सड़क निर्माण अथवा सतीश चंद्र कॉलेज के पास अंडरपास बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसके बन जाने से शहरवासियों को जाम से बड़ी राहत मिलेगी।

डीएम ने की शिष्टाचार भेंट

इससे पूर्व, बलिया स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति और आम जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

पूर्व बीडीसी सदस्य के हत्यारोपियों से पुलिस की मुठभेड़,दो आरोपियों के पैर में लगी गोली

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में पूर्व बीडीसी सदस्य राजेश कुमार सलोनिया हत्याकांड के फरार दो आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर ग्राम औरखी चाकी के पास पुलिस और आरोपियों के बीच फायरिंग हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में निखिल और संदीप के पैरों में गोली लग गई। दोनों को घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह के मुताबिक, 14 नवंबर को कुसमरा गांव में पूर्व ठक्क सदस्य राजेश कुमार सलोनिया की फावड़े से हमला कर हत्या कर दी गई थी। मामले में कोतवाली जालौन में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। मंगलवार 17 नवंबर की सुबह पुलिस टीम बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के आसपास आरोपियों की तलाश कर रही थी।

इसी दौरान बाइक पर सवार कुछ संदिग्ध लोग आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। सीओ के अनुसार, पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इसमें राजेश हत्याकांड के नामजद आरोपी निखिल और संदीप के पैरों में गोली लग गई। दोनों घायल होकर मौके पर गिर पड़े। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया। मुठभेड़ की सूचना पर सीओ अजय कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस टीम से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। गौरतलब है कि 14 नवंबर को कुसमरा गांव में पूर्व बीडीसी सदस्य राजेश सलोनिया की फावड़े से हमला कर हत्या कर दी गई थी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटना के बाद से पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी। मंगलवार को हुई मुठभेड़ में दो नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और हत्याकांड से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

बेटी को तेंदुए के जबड़े से जिंदा बचा लाई मां

बहराइच,संवाददाता। जिले में एक मां अपनी 6 साल की बेटी को तेंदुए के जबड़े से छुड़ाने के लिए उससे भिड़ गई। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे घर के अंदर सो रही बच्ची को तेंदुए ने मच्छरदानी फाड़कर दबोच लिया। वह बच्ची को जबड़े में दबाकर घसीटते हुए भागने लगा। तभी बच्ची ने मां को आवाज लगाई। बेटी की चीख सुनते ही मां बिना एक पल गंवाए तेंदुए से भिड़ गई। एक तरफ तेंदुआ बच्ची को जबड़े में दबाकर अपनी ओर खींच रहा था, तो दूसरी तरफ मां पूरी ताकत लगाकर उसे छुड़ाने में जुटी थी। मां ने हार नहीं मानी। आखिरकार उसने बच्ची को अपनी गोद में खींच लिया और तेंदुए के चंगुल से छुड़ा लिया। इस संघर्ष में बच्ची घायल हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। घायल बच्ची को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर सुजौली थाना क्षेत्र की है। सुजौली थाना क्षेत्र का टेपरा गांव जंगल से सटा है। यहां राजेश चौहान (35) अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी बिन्द्रावती (33), दो बेटियां अंशिका (11), दिव्या (6) और एक बेटा है। रात में दोनों बेटियां मां के साथ एक ही चारपाई पर मच्छरदानी लगाकर सोई थीं। सुबह करीब 5 बजे बिन्द्रावती भैंस को चारा देने के लिए उठीं। उनके साथ दिव्या की भी आंख खुल गई। दिव्या ने मां से मोबाइल चार्जिंग पर लगाने को कहा। मां फोन चार्ज पर लगाने के लिए मुड़ीं, तभी पीछे से तेंदुआ घर में घुस आया। उसने मच्छरदानी फाड़ी और दिव्या को जबड़े में दबा लिया। इसके बाद वह बच्ची को घसीटते हुए बरामदे तक ले गया। दिव्या ने मां को आवाज लगाई तो बिन्द्रावती पीछे मुड़ीं। बेटी को तेंदुए के जबड़े में फंसा देख वह उसे बचाने के लिए भिड़ गईं। उन्होंने पूरी ताकत लगाकर बच्ची को अपनी तरफ खींचा। शोर सुनकर पति राजेश और पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए।

लोगों ने हांका लगाया तो तेंदुआ बच्ची को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। बिन्द्रावती ने बताया– बच्ची मेरे पास सो रही थी। मैं सुबह भैंस को चारा डालने के लिए उठी थी। भैंस बाहर बंधी थी। तभी बेटी ने कहा, मम्मी मोबाइल चार्ज पर लगा देना। मैं मोबाइल चार्ज करने लगी, तभी बच्ची चिल्लाई– मम्मी... मम्मी, बघवा पकड़ लिया। मैं दौड़कर गई तो देखा कि तेंदुआ बच्ची को अपनी तरफ खींच रहा था। मैं बच्ची को पकड़कर अपनी तरफ खींचने लगी। बिन्द्रावती ने कहा– तेंदुआ बच्ची को घसीटकर थोड़ी दूर बरामदे तक ले गया था। मैंने बच्ची को गोद में पकड़कर पूरी ताकत से अपनी तरफ खींचा और उसके चंगुल से छुड़ा लिया। बच्ची के पूरे शरीर पर खून फैल गया था। हम लोग उसे लेकर सुजौली गए। वहां टांके लगाए गए। इसके बाद उसे मिहींपुरवा ब्लॉक ले जाने को कहा गया। वहां से बच्ची को यहां भेज दिया गया। तेंदुए के हमले में दिव्या के गर्दन, हाथ और पेट पर चोटें आई हैं। मां को कोई चोट नहीं लगी। परिजन घायल बच्ची को पहले नजदीकी सीएचसी ले गए। हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उसे बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। फिलहाल दिव्या का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशीष वर्मा ने बताया कि बच्ची की गर्दन पर गंभीर चोट आई है। शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोटें हैं। उसे इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर इलाज दिया जा रहा है।

6 दरोगा के ट्रांसफर,13 चौकियों को मिले नए प्रभारी, 2 ट्रांसफर निरस्त

नोएडा,संवाददाता। सेंट्रल नोएडा जोन में पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने 16 दरोगाओं की नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इनमें 13 को अलग–अलग चौकियों की कमान सौंपी गई है, जबकि तीन को थानों में तैनात किया गया है। पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक में लिए गए फैसले के बाद यह बदलाव किया गया है। इसके साथ ही दो दरोगाओं के पहले जारी ट्रांसफर आदेश भी रद्द कर दिए गए हैं। अंकित धामा को फेस–3 थाने की गढ़ी चौखंडी चौकी, राहुल प्रताप सिंह को सेक्टर–63 की एच–ब्लॉक चौकी और ललित कुमार को बिसरख की चेरी काउंटी चौकी का प्रभारी बनाया गया है। दिनेश सोलंकी को बिसरख की राइस सिटी–नया हिंडन पुल चौकी और राजेंद्र सिंह को सेक्टर–3



एस्टर चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, राकेश सक्सेना को सूरजपुर की कस्बा चौकी, दीपक कुमार को कचहरी चौकी और नवीन कुमार को एवीजे हाइट्स चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

निखिल शुक्ला को इकोटेक–3 की सेक्टर–10 चौकी, प्रवीण कुमार को सेक्टर–142 की सेक्टर–144 चौकी और सचिन यादव को सेक्टर–145 चौकी की कमान सौंपी गई है। आशुतोष पांडेय को सेक्टर–63 की सी–ब्लॉक और सोविन्द्र यादव को सूरजपुर की औद्योगिक क्षेत्र चौकी का प्रभारी बनाया गया है। ललित कुमार को इकोटेक–3, कृष्णवीर सिंह को बादलपुर और अजय यादव को फेस–3 थाने में तैनाती दी गई है। राहुल प्रताप सिंह का सेंट्रल नोएडा जोन से मीडिया सेल और दिनेश सोलंकी का इकोटेक–3 से सेक्टर–142 थाने में किया गया स्थानांतरण निरस्त कर दिया गया है। सभी संबंधित दरोगाओं को तत्काल नई तैनाती पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

आईपीएल ने गन्ना कटाई के लिए हार्वेस्टर शुरू किया

बहराइच,संवाददाता। इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) ने किसानों की आय बढ़ाने और गन्ना कटाई की लागत कम करने के लिए यांत्रिक कटाई की पहल शुरू की है। मंगलवार को बहराइच के जरवल रोड चीनी मिल क्षेत्र के हाजीपुर गांव में किसान सम्मेलन हुआ। उप गन्ना आयुक्त, देवीपाटन मंडल आरबी राम ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और गन्ना हार्वेस्टर का संचालन शुरू कराया। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजाराम वर्मा ने की। आईपीएल के मुख्य कृषि वैज्ञानिक डॉ. यू. एस. तेवतिया ने किसानों को हार्वेस्टर के इस्तेमाल और उसके फायदे बताए। उन्होंने कहा कि मशीन से कम समय में गन्ने की कटाई और लोडिंग हो सकती है। इससे मजदूरों पर निर्भरता और कटाई की लागत कम होगी।



कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा– आठ साल तक नहीं पी एक बूंद

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच–समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं– मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती। बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं। श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

कभी सोचा खाना खाने के बाद क्यों आता है पसीना ? कहीं शरीर तो नहीं दे रहा बड़ा इशारा

बहुत से लोगों को गर्म और मसालेदार खाना खाने से पसीना आता है। हालांकि, कुछ लोगों को कोई भी खाना खाने के बाद अक्सर पसीना आता है। इसकी सबसे बड़ी वजह पैरोटिड ग्लैंड (गाल में लार बनाने वाली ग्रंथि) में या उसके आस–पास नसों का डैमेज होना हो सकता है। जब ऐसा होता है, तो यह अक्सर चेहरे के एक तरफ होता है और इसे फ्रे सिंड्रोम कहा जाता है। कुछ दुर्लभ मामलों में मधुमेह वाले लोगों को बायलैटरल गस्टेटरी स्वेटिंग हो सकती है, जिसमें चेहरे के दोनों तरफ पसीना आता है।

क्या पसीना आना है नॉर्मल?

खाना खाते समय या उसके बाद लोगों को पसीना आना कोई असामान्य बात नहीं है। ज्यादातर लोगों को तीखा या गर्म खाना और ड्रिंक्स लेने पर चेहरे, सिर या गर्दन पर पसीना आता है। ऐसे मामलों में, शरीर का तापमान बढ़ने पर शरीर पसीने के जरिए स्वाभाविक रूप से प्रतिक्रिया करता है। यह एक सामान्य प्रतिक्रिया है और चिंता की कोई बात नहीं है। हालांकि गस्टटरी स्वेटिंग (खाने से जुड़ा पसीना) किसी दूसरी अंदरूनी बीमारी, जैसे कि डायबिटीज मेलिटस या फ्रे सिंड्रोम का नतीजा भी हो सकता है। फ्रे सिंड्रोम में पैरोटिड ग्लैंड (लार ग्रंथि) की नसों को नुकसान पहुंचने के कारण पसीना आता है। यह चेहरे के एक तरफ, प्रभावित पैरोटिड ग्लैंड वाले हिस्से में होता है।

फ्रे सिंड्रोम के कुछ संभावित कारण

–पैरोटिड ग्लैंड की सर्जरी

–पैरोटिड ग्लैंड पर सीधी चोट

–जबड़े का फ्रैक्चर

–इंफेक्शन

–लार ग्रंथि को हटाने की सर्जरी

–गर्दन में लिम्फ नोड्स को हटाने वाली सर्जरी

क्या पसीने का इलाज संभव है?

गस्टटरी स्वेटिंग (खाना खाने पर पसीना आना) का इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि इसका कारण क्या



है। आमतौर पर, फ्रे सिंड्रोम का इलाज करने वाले डॉक्टर लक्षणों पर ध्यान देते हैं। हालांकि, खराब हुई नसों को ठीक करने के लिए सीमित विकल्प ही मौजूद हैं। चेहरे और गर्दन के हिस्से की नसों को ठीक करने की कोशिश के लिए सर्जिकल प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं। इन तकनीकों से प्रभावित त्वचा को हटाकर उसकी जगह स्किन ग्राफ्ट भी लगाया जा सकता है। हालांकि, इन सर्जरी में जोखिम होते हैं और डॉक्टर अक्सर इनकी सलाह नहीं देते हैं। डॉक्टर ऐसी दवाएं और टॉपिकल क्रीम लिख सकते हैं जो नर्वस सिस्टम की अनचाही गतिविधियों, जैसे पसीना आना, को रोकने में मदद करती हैं।

खाना खाने के बाद पसीना आने से कैसे रोकें

खाना खाने के बाद पसीना आने से रोकना इस बात पर निर्भर करता है कि इसका मूल कारण क्या है। अगर किसी को आम गस्टटरी स्वेटिंग होती है, जैसे कि गर्म या मसालेदार खाना खाने पर, तो ऐसे खाने से परहेज करने से ही खाना खाते समय और उसके बाद पसीना आने से रोका जा सकता है। फ्रे सिंड्रोम के लिए बोटोक्स ट्रीटमेंट से पसीना आने से रोका जा सकता है, और डॉक्टर शरीर की पसीना लाने वाली प्रतिक्रिया को रोकने के लिए दवा भी लिख सकते हैं। डायबिटीज वाले लोगों के लिए, अपनी बीमारी को सही ढंग से कंट्रोल करने से खाना खाते समय पसीना आने जैसे अनचाहे लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है।

गस्टटरी स्वेटिंग और फ्रे सिंड्रोम में क्या होता है अंतर

गस्टटरी स्वेटिंग (खाने से जुड़ी पसीने की समस्या) फ्रे सिंड्रोम जैसी ही होती है, और डॉक्टर अक्सर इन दोनों शब्दों का इस्तेमाल एक–दूसरे की जगह करते हैं। फ्रे सिंड्रोम वाले व्यक्ति को पैरोटिड ग्रंथि (लार बनाने वाली ग्रंथि) से जुड़ी समस्या होती है और कुछ भी खाने के बाद उनके सिर की त्वचा, चेहरे, कानों और गर्दन पर पसीना आ सकता है और त्वचा लाल हो सकती है। हालांकि, जिन खाद्य पदार्थों से लार ज्यादा बनती है, उनसे यह प्रतिक्रिया होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है।

सुबह खाली पेट नहाने से शरीर पर क्या पड़ता है असर, जानें फायदे और नुकसान

सुबह उठते ही नहाना कई लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा होता है। कुछ लोग खाली पेट स्नान करना पसंद करते हैं, तो कुछ का मानना है कि नहाने से पहले कुछ खाना या पीना जरूरी है। लेकिन क्या वाकई खाली पेट नहाने से सेहत पर कोई बुरा असर पड़ता है? क्या इससे कमजोरी, चक्कर आने या ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है? दरअसल, सामान्य रूप से स्वस्थ व्यक्ति के लिए खाली पेट नहाना आमतौर पर नुकसानदायक नहीं होता। हालांकि, पानी का तापमान, शरीर में पानी की कमी और पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याएं इस अनुभव को प्रभावित कर सकती हैं। आइए जानते हैं सुबह खाली पेट नहाने के फायदे, नुकसान और इससे जुड़ी जरूरी सावधानियां। जानें सुबह खाली पेट नहाने के फायदे।

शरीर को मिलती है ताजगी

रातभर सोने के बाद सुबह नहाने से सुस्ती दूर करने और तरोताजा महसूस करने में मदद मिल सकती है। पानी के संपर्क से शरीर में स्फूर्ति महसूस होती है और व्यक्ति अपने दिन की शुरुआत बेहतर तरीके से कर सकता है।

मूड बेहतर बनाने में मदद

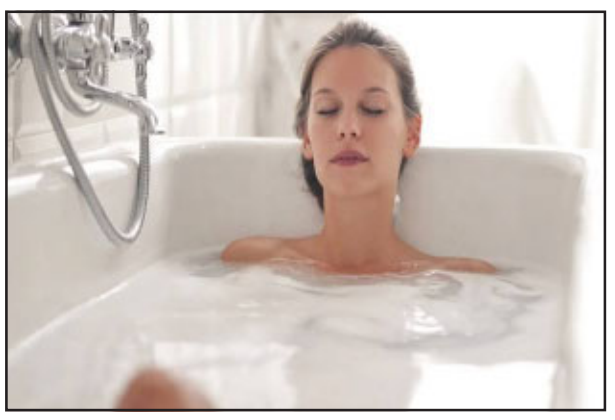
सुबह स्नान करने से मन शांत और फ्रेश महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को नहाने के बाद तनाव कम होने और एकाग्रता बढ़ने का अनुभव होता है। हालांकि, इसका असर हर व्यक्ति पर अलग–अलग हो सकता है।

त्वचा की सफाई रहती है

रातभर त्वचा पर जमा पसीना और अतिरिक्त तेल नहाने से साफ हो जाता है। नियमित स्नान शरीर की स्वच्छता बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, बहुत गर्म पानी और तेज साबुन का ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को रूखा बना सकता है।

शरीर को सक्रिय महसूस कराने में मदद

सुबह सामान्य या हल्के गुनगुने पानी से नहाने पर शरीर में आराम और ताजगी महसूस हो सकती है। इससे दिन की शुरुआत सक्रिय तरीके से करने में मदद मिलती है। हालांकि, खाली पेट नहाने से रक्त संचार



में विशेष सुधार होने का मजबूत वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

दिनचर्या को व्यवस्थित बनाता है

सुबह स्नान करने की नियमित आदत दिन की शुरुआत को व्यवस्थित बनाने में मदद कर सकती है। इससे व्यक्ति को अपने दूसरे कामों के लिए समय तय करने में भी आसानी होती है।

सुबह खाली पेट नहाने के नुकसान

कुछ लोगों को आ सकते हैं चक्कर

खाली पेट नहाने से आमतौर पर ब्लड शुगर कम नहीं होती। लेकिन यदि कोई व्यक्ति पहले से कमजोर है, डिहाइड्रेशन से परेशान है या उसका ब्लड प्रेशर कम रहता है, तो गर्म पानी से नहाने के दौरान चक्कर या हल्कापन महसूस हो सकता है। ऐसे में सावधानी बरतना जरूरी है।

बहुत गर्म पानी से घट सकता है ब्लड प्रेशर

बहुत गर्म पानी रक्त वाहिकाओं को फैलाने के कारण कुछ लोगों का ब्लड प्रेशर कम कर सकता है। इससे कमजोरी, चक्कर या बेहोशी जैसी परेशानी हो सकती है। इसलिए बहुत गर्म पानी से नहाने के बजाय आरामदायक तापमान वाले पानी का इस्तेमाल करें।

सर्दियों में ठंडे पानी से हो सकती है परेशानी

सर्दियों में अचानक बहुत ठंडे पानी से नहाने पर कंपकंपी और असहजता महसूस हो सकती है। ठंडे पानी का अचानक संपर्क शरीर पर तनाव पैदा कर सकता है, खासकर उन लोगों में जिन्हें हृदय संबंधी बीमारी है। ऐसे लोगों को पानी के तापमान को लेकर विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

कमजोरी होने पर बढ़ सकती है परेशानी

यदि आपने लंबे समय से कुछ नहीं खाया है और पहले से भूख, कमजोरी या चक्कर महसूस हो रहे हैं, तो नहाने के दौरान गिरने का जोखिम बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में पहले बैठकर आराम करें, जरूरत के अनुसार कुछ खाएं–पीएं और सामान्य महसूस होने पर ही नहाएं।

कुछ बीमारियों में जरूरी है सावधानी

लो ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग या बार–बार बेहोशी की समस्या वाले लोगों को अपनी स्थिति के अनुसार नहाने का तरीका तय करना चाहिए।

करियर की शुरुआत में डबल रोल निभाने में क्या आई चुनौती, शनाया कपूर ने बताया

अभिनेत्री शनाया कपूर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयररू आफ्टर डार्क सीरीज में अपने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी एक्टिंग की क्षमताओं को और बेहतर ढंग से परखने का मौका दिया, जबकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया ने सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माता करण जौहर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें डबल रोल निभाने का मौका दिया, जिससे उन्हें अपनी एक्टिंग के अलग–अलग पहलुओं को दिखाने का अवसर मिला। अभिनेत्री ने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार जताया, जिन्होंने उन्हें अपने क्रिएटिव सुझाव साझा करने की पूरी छूट दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन और अंडरवॉटर सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन बहुत कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के भरोसे और समर्थन ने उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड–द–सीन्स (पर्दे के पीछे की) तस्वीरें साझा करते हुए आंखों की गुस्ताखियां फेम अभिनेत्री ने लिखा, यह शो मेरे लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। मैं करण जौहर को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका दिया। मेरे करियर की शुरुआत में ही मुझे डबल रोल निभाने का अवसर मिला, जिससे मैं एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी रेंज दिखा सकी। मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। उम्मीद है कि मैं आपको गौरवान्वित कर पाऊंगी। उन्होंने कहा कि एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर नेतृत्व वाली टीम तक आप सभी का बहुत–बहुत धन्यवाद। आपने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा, पूरी क्रू टीम का धन्यवादकृइस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और मुझे पता है कि हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने सभी से शो देखने की अपील की और लिखा, कृपया कल जियोहॉटस्टार पर हमारा शो श्स्टूडेंट ऑफ द ईयररू आफ्टर डार्क्य जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून–पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार। स्टूडेंट ऑफ द ईयररू आफ्टर डार्क 2012 की कैंपस–रोमांस फ्रेंचाइजी को एक सस्पेंस से भरी मर्डर मिस्ट्री के रूप में पेश करती है। इस सीरीज के साथ शनाया कपूर ओटीटी (ओटीटी) पर डेब्यू कर रही हैं, जिसमें वह जुड़वां बहन आयशा और अदिति मलिक के डबल रोल में नजर आएंगी।



MS Dhoni ने लिया आईपीएल से संन्यास CSK में संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। MS Dhoni IPL Retirement महान कप्तानों में शुमार एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास ले लिया है। वह अब चेन्नई सुपर किंग्स के मेंटर की जिम्मेदारी संभालेंगे। पांच बार की विजेता फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को एक पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है।

धोनी ने यूं तो साल 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि, वह आईपीएल खेल रहे थे। पिछले सीजन तो वह चोट के कारण पूरा सीजन नहीं खेले थे और इस बार उन्होंने अब आईपीएल को भी अलविदा कह दिया। धोनी साल 2008 यानी आईपीएल की शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स के साथ थे और उनकी कप्तानी में टीम ने पांच बार खिताब जीता। 2010, 2011, 2018, 2021, 2023 में चेन्नई ने धोनी की कप्तानी में खिताब जीता था। साल 2015, 2016 में चेन्नई को बैन कर दिया गया था। 2019 तक धोनी की कप्तानी में चेन्नई ने हर सीजन प्लेऑफ खेला था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे



सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उनके बारे में जानकारी देते हुए सीएसके ने लिखा, ष्जीवन में एक बार आने वाला खिलाड़ी। एक नया रोल। हमेशा का रिश्ता। एमएस धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स के मेंटर का पद संभाल लिया है। अनगिनत जीतें, चुनौतीपूर्ण समय और उन यादों के साथ जो हमारे दिल में हमेशा रहेंगी, हमारा नेतृत्व करने से लेकर सुपर किंग्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने तक, एमएस शुरुआत से हमारे सफर का हिस्सा रहे। चेन्नई हमेशा से उनका घर होगा। चेन्नई की मालकिन रूपा गुरुनाथ ने एक वीडियो में बताया है कि धोनी ने 14 तारीख को ही उन्हें बता दिया था कि वह इस सीजन आईपीएल नहीं खेलेंगे और उनका नाम रिलीज किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट में डाल देने को कहा था। धोनी ने इस बार भी वही किया जिसके लिए वो जाने जाते हैं। चुपचाप से विदा लेना। इंटरनेशनल क्रिकेट से भी वह चुपचाप विदा हुए और आईपीएल से भी बिना कोई शोर–शराबे के चले गए। उन्होंने कभी भी अपना विदाई मैच नहीं खेला। इसी के साथ खिलाड़ी के तौर पर धोनी और आईपीएल का 18 साल का रिश्ता भी खत्म हो गया। अब धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के मेंटर के तौर पर नई पीढ़ी को तैयार करेंगे। धोनी आईपीएल में दो टीमों के लिए खेले। पहली तो चेन्नई सुपर किंग्स और दूसरी राइजिंग पुणे सुपर जायंट। चेन्नई को जब आईपीएल से बैन किया गया था तब पुणे की एंट्री हुई थी और धोनी इस टीम के लिए दो साल के लिए खेले। चेन्नई की वापसी के बाद यह टीम हटा दी गई। धोनी ने आईपीएल में कुल 278 मैच खेले हैं और 137.45 की स्ट्राइक रेट से 5439 रन बनाए हैं। इसमें 24 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान धोनी का औसत 38.30 रहा है।

पराली, कचरा और पौधों के तेल से बनेगा एक खास ऑयल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज ऑयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (प्ब्) को सरकार से पानीपत स्थित अपनी रिफाइनरी से व्यावसायिक बिक्री के लिए सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (।थ्) की आपूर्ति करने की मंजूरी मिल गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने कंपनी के चेयरमैन ए एस साहनी के हवाले से इस बात की जानकारी दी। ए एस साहनी ने बताया कि रिफाइनर नई परियोजनाओं में निवेश करने से पहले भविष्य में एसएएफ (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) की बिक्री के लिए एयरलाइंस के साथ समझौते करने की योजना बना रहा है। साहनी ने आगे कहा कि आईओसी की पानीपत सुविधा 2027 में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए देश के 1: मिश्रण लक्ष्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त एसएएफ का उत्पादन करने में सक्षम होगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली अग्निपरीक्षा, निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3–1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0–2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0–3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के



अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत–ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था।

सिनियाकोवा–टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन वेल्स । कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6–4, 6–3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता। यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चौंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ



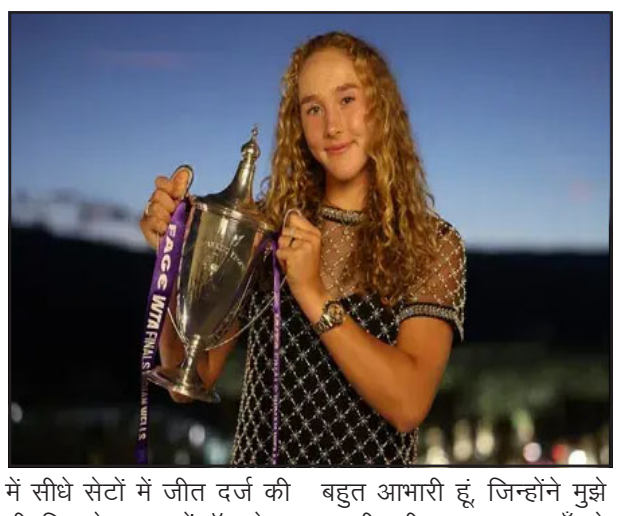
खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर–लेवल डबल्स खिताब हो गया है। एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं।

सिप्ला के मुंबई ऑफिस और भिवंडी गोदाम पर DRI ने ली तलाशी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने आयातित दवा के वर्गीकरण या छूट से जुड़े मामले में सिप्ला के खिलाफ कार्रवाई की है। डीआरआई ने कंपनी के विक्रोली स्थित कार्यालय और ठाणे के भिवंडी स्थित गोदाम की तलाशी ली है। इस बात की जानकारी खुद कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सूचीबद्धता नियमों के नियमन 30 के तहत दे दी है। सिप्ला ने बताया कि यह तलाशी सोमवार को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 105 के तहत ली गई। दवा कंपनी ने दी गयी जानकारी में कहा, ''यह तलाशी आयातित दवा के तैयार उत्पाद के वर्गीकरण या छूट से संबंधित है।''

एलिना स्वितोलिना को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एलिना स्वितोलिना को 7–5, 6–3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने 2026 का समापन 55 टूर–लेवल जीत और चार खिताबों के साथ किया। इससे पहले उन्होंने एडिलेड, लिन्ज और फ्रेंच ओपन में भी जीत हासिल की थी। 19 साल की उम्र में स्वितोलिना के खिलाफ 1 घंटे 48 मिनट में मिली इस जीत के साथ एंड्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की डब्ल्यूटीए फाइनल्स चौंपियन बन गई हैं। अपने पहले ही टूर्नामेंट में बिना कोई सेट हारे जीत हासिल करना उन्हें एक खास क्लब में शामिल करता है। 1972 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था और 2001 में सेरेना विलियम्स ने लगातार तीन मैचों



में सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उन्हें वॉकओवर के जरिए खिताब मिला था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चौंपियन बनने पर एंड्रीवा ने कहा, बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया। मेरे लिए लड़ने और मुझे वह सब कुछ करने के लिए मजबूर करने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए जरूरी था। मीरा ने बिना कोई सेट हारे अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। इस जीत के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है, जिससे 2027 सीजन की शुरुआत में उनके नंबर 1 बनने की संभावना भी बढ़ गई है। मीरा एंड्रीवा ने स्वितोलिना को ग्रुप स्टेज में भी हराया था और फिर चौंपियनशिप मैच में भी जीत हासिल की। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने ग्रुप स्टेज में पारिबास ओपन चौंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ एक शानदार जीत दर्ज की थी। पहले सेट में 1–4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार 11 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया था।

थोक महंगाई दर अक्टूबर में 12 प्रतिशत के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। थोक महंगाई दर अक्टूबर में सालाना आधार पर बढ़कर 12.29 प्रतिशत

ईंधन और बिजली की कीमतों में आया बड़ा उछाल

हो गई है, जो कि सितंबर 2026 में 11.39 प्रतिशत थी। इसकी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में सालाना आधार पर 32.84 प्रतिशत के उछाल को माना जा रहा है। इससे अक्टूबर 2026 के लिए सभी वस्तुओं का थोक महंगाई का सूचकांक बढ़कर 113.3 हो गया है, जबकि सितंबर 2026 में यह 112.5 था। यह जानकारी सोमवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में दी गई। इससे पहले अक्टूबर 2026 में थोक महंगाई दर –1.18 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया कि अक्टूबर में प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन और बिजली और विनिर्मित वस्तुओं में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर क्रमशरू 9.24 प्रतिशत, 32.84 प्रतिशत और 9.54 प्रतिशत थी। सितंबर में यह क्रमशरू 8. 67 प्रतिशत, 25.85 प्रतिशत और 9.76 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2026 में मिनरल ऑयल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं), कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, खाद्य वस्तुएं, मूल धातुओं का निर्माण, रसायनों और रासायनिक उत्पादों का निर्माण, खाद्य उत्पादों का निर्माण, गैर–खाद्य वस्तुएं, कपड़ा निर्माण, और रबर तथा प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण जैसे समूहों ने थोक महंगाई को बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाई।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 9 अरब डॉलर के पार, स्टार्टअप्स की संख्या बढ़कर 440 हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार बढ़कर लगभग 9 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023 में 8.4 अरब डॉलर थी। वहीं, अंतरिक्ष क्षेत्र में पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 2014 में एक से बढ़कर 440 हो गई है। यह निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप में कुल निवेश वित्त वर्ष 2021–22 के 100.5 मिलियन डॉलर से छह गुना से अधिक बढ़कर 31 मार्च, 2026 तक 618.5 मिलियन डॉलर हो गया। भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं के परिपक्व होने के साथ ही सरकार ने मुख्य रूप से सरकारी नेतृत्व वाले परिचालन ढांचे से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना। इसी के अनुरूप, सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र के



प्रशासन के लिए अधिक सुविधाजनक और नतीजों पर केंद्रीत दृष्टिकोण अपनाया। इस दृष्टिकोण में सार्वजनिक क्षेत्र के नेतृत्व को बरकरार रखते हुए निजी नवाचार, निवेश और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। फैक्टशीट में बताया गया कि इसके तहत ही न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) की स्थापना मार्च 2019 में अंतरिक्ष विभाग की वाणिज्यिक इकाई के रूप में की गई थी। बाद में इसके दायित्वों का विस्तार करते हुए सार्वजनिक धन से विकसित प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। एनएसआईएल को सरकार और अन्य ग्राहकों की मांग को एकत्रित करने का काम भी दिया गया। इसके अलावा, उसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन प्रौद्योगिकियों और सेवाओं की मार्केटिंग तथा बिक्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष गतिविधियां लागू लाइसेंसिंग, सुरक्षा और संरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के अधीन बनी रहीं। एनएसआईएल का राजस्व वित्त वर्ष 2021–22 के 321.77 करोड़ रुपए से लगभग 10 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024–25 में 3,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। कंपनी ने इसरो की 83 प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए 118 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। सरकार की मंजूरी के तहत भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन–स्पेस) की स्थापना भी एक स्वायत्त एजेंसी के रूप में की गई। यह अंतरिक्ष विभाग के तहत काम करता है और नियामकीय मंजूरियों के लिए निजी कंपनियों को एकल–खिड़की सुविधा उपलब्ध ा कराता है। इसके दायित्वों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अंतरिक्ष गतिविधियों को अधिकृत करना और उनकी निगरानी करना तथा सुरक्षा संबंधी पहलुओं और परिचालन प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए इसरो की सुविधाओं तक पहुंच उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा, इसके दायरे में मिशन की सुरक्षा, प्रक्षेपण की तैयारी, कक्षीय और आवृत्ति समन्वय, अंतरिक्ष यान का पंजीकरण और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताएं भी शामिल हैं।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में झोंके रु84 हजार करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रुपये ने डॉलर के मुकाबले करीब सात महीने का सबसे मजबूत स्तर हासिल कर लिया है। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने रुपये को बड़ी मजबूती दी है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 93.52 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। यह पिछले कारोबारी बंद भाव से करीब 0.4 फीसदी की बढ़त है। अप्रैल के बाद रुपये का यह सबसे मजबूत स्तर है। रुपये की इस तेजी के पीछे सबसे बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में बढ़ती दिलचस्पी है। नवंबर में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने दिवाली के विशेष कारोबारी सत्र को छोड़कर हर कारोबारी दिन खरीदारी की है।

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई है। साथ ही, दोनों देश तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) या मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की शर्तों पर विचार करने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह का गठन करेंगे। यह जानकारी सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। दोनों देशों के बीच यह सहमति सोमवार को मिस्र की नई प्रशासनिक राजधानी में भारत–मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) के सातवें सत्र के दौरान बनी। इसकी सह–अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री डॉ. मोहम्मद फरीद सालेह ने की। बयान के अनुसार, संयुक्त



कार्य समूह तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की शर्तों पर विचार करेगा। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना, दोनों देशों के बाजारों तक पहुंच बेहतर बनाना और निवेश संबंधों को बढ़ावा देना है। इस बैठक के साथ पहली बार द्विपक्षीय संस्थागत तंत्र की बैठक मंत्री स्तर पर आयोजित हुई। यह भारत–मिस्र रणनीतिक साझेदारी के आर्थिक आयाम को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बैठक से पहले दोनों मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय चर्चा हुई, जिसमें व्यापार विस्तार, निवेश को सुविधाजनक बनाने और दीर्घकालिक औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संबंध ा विकसित करने पर बातचीत हुई। संयुक्त व्यापार समिति की बैठक में मौजूदा व्यापारिक संबंधों की समीक्षा की गई, कारोबारियों के सामने आने वाली चुनौतियों का आकलन किया गया और सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान की गई। समिति ने भारत–मिस्र व्यापार में हुई वृद्धि की समीक्षा की। वित्त वर्ष 2025–26 में दोनों देशों के बीच व्यापार 35 प्रतिशत बढ़कर 6.5 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल–सितंबर 2026 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार सालाना आधार पर 65 प्रतिशत बढ़कर 5. 04 अरब डॉलर पहुंच गया। यह दोनों देशों के बीच मजबूत होते वाणिज्यिक आदान–प्रदान और व्यापार के दायरे को और विविध बनाने की संभावनाओं को दर्शाता है। बयान में कहा गया

मेकमाईट्रिप ने ट्रैवल का मुहूर्त सेल के दूसरे संस्करण की घोषणा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। मेकमाईट्रिप ने आज घोषणा की कि साल के आखिर में छुट्टियों की योजना बना रहे यात्रियों के लिए ट्रैवल का मुहूर्त सेल का दूसरा संस्करण 14 नवंबर 2026 से शुरू हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने वाले पार्टनर्स में ठहरने की 30,000 से ज्यादा घरेलू और 3,500 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय प्रॉपर्टी शामिल हैं। इनमें होटल चेन, रिसॉर्ट, इंडिपेंडेंट होटल, होमस्टे और विला हैं। इनके अलावा 35 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस और 8 बैंक भी साथ आए हैं । राज ऋषि सिंह मेकमाईट्रिप के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर कॉरपोरेट, फ्लाइट्स, जीसीसी और मार्केटिंग ने कहा भारत में शॉपर्स फेस्टिव सेल का इंतजार करते हैं और हमारा मानना है।

पीएलआई योजना का असर, भारत की सोलर मॉड्यूल उत्पादन क्षमता 15 गुना बढ़कर 116 गीगावाट हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत समर्थित परियोजनाओं ने भारत की सोलर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता में करीब 24 गीगावाट का योगदान दिया है। इससे देश की सोलर मॉड्यूल उत्पादन क्षमता लगभग 8 गीगावाट से 15 गुना बढ़कर करीब 116 गीगावाट हो गई है। यह जानकारी नीति आयोग की एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की मौजूदा सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता का करीब 20.7 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर पीएलआई योजना के तहत समर्थित परियोजनाओं से जुड़ा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल के लिए पीएलआई योजना का कुल बजट 24,000 करोड़ रुपए है। इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, उन्नत तकनीकों का प्रोत्साहित करना और आयात पर निर्भरता कम करना है। इस साल मार्च तक इस योजना के तहत कुल निवेश बढ़कर 64,873 करोड़ रुपए हो गया था।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई- UPHIN/2008/32231

डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.

E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे

कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे

संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



देश-विदेश

पूर्व सेना प्रमुख गादी ने पीएम बिन्यामिन नेतन्याहू को बताया लोकतंत्र के लिए सीधा खतरा

यरुशलम, एजेंसी। इसराइल की राजनीति में सत्ता संघर्ष और गठबंधन की कवायद के बीच पूर्व सेना प्रमुख एवं प्रमुख विपक्षी नेता गादी आइजनकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। आइजनकोट ने नेतन्याहू और उनके करीबियों के रवैये को इसराइली लोकतंत्र के लिए सीधा और तत्काल खतरा करार देते हुए कहा है कि उन्हें एक मिनट के लिए भी प्रधानमंत्री पद पर बने नहीं रहना चाहिए। सत्ता बचाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप एक्स पर जारी किया कड़ा बयानरू सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए गादी आइजनकोट ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू ने अपनी राजनीतिक सत्ता को बचाए रखने के लिए इसराइल की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया है और मर्यादा की सभी सीमाएं पार कर दी हैं। चुनावी हस्तक्षेप के आरोपों के बीच बयानरू आइजनकोट का यह तीखा बयान ऐसे समय आया है जब हालिया संसदीय चुनावों के दौरान नेतन्याहू के एक सहयोगी द्वारा कथित चुनावी हस्तक्षेप किए जाने की खबरें सामने आई हैं, जिसकी आइजनकोट ने तत्काल जांच की मांग की है। गठबंधन वार्ता का सबसे प्रमुख मुद्दारू आइजनकोट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक नेतन्याहू प्रधानमंत्री की कुर्सी पर काबिज हैं, तब तक इसराइल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि देश में नई सरकार के गठन और गठबंधन को लेकर चल रही मौजूदा बातचीत में नेतन्याहू को सत्ता से बाहर रखना ही उनके लिए सबसे अहम और सर्वोपरि मुद्दा है। सत्ता गठन की जद्दोजहदरू गौरतलब है कि हाल ही में हुए इसराइली संसदीय चुनावों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के बाद राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सरकार बनाने का औपचारिक न्योता गादी आइजनकोट को दिया है।

ऑल प्लेटफॉर्म्स जर्नलिस्ट्स फोरम ने मनाया पत्रकार चेतना दिवस

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर ऑल प्लेटफॉर्म्स जर्नलिस्ट्स फोरम की विभिन्न प्रदेश इकाइयों द्वारा श्पत्रकार चेतना दिवस मनाया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, पटना, मुंबई और कोलकाता सहित कई राज्यों में संगोष्ठियों का आयोजन कर स्वतंत्र, निष्पक्ष और जनकल्याणकारी पत्रकारिता का संकल्प लिया गया।



कार्यक्रमों में फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह जादौन का संदेश पढ़ा गया। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस को पत्रकार चेतना दिवस के रूप में मनाया जाएगा। पत्रकार को किसी भी दल या नेता से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए।

संगोष्ठियों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सज्जन सिंह ने कहा कि पत्रकार को केवल देश और समाज का पक्षधर होना चाहिए तथा अन्य सभी लालचों का त्याग कर देश की समृद्धि के लिए कार्य करना चाहिए। वहीं, जम्मू–कश्मीर इकाई के अध्यक्ष गुरमेज सिंह ने कहा कि पत्रकार को बिना किसी भय के सच को उजागर करना चाहिए और राष्ट्र को कमजोर करने वाली हर गतिविधि का खुलासा करना चाहिए।

अमेरिका में हवाई यातायात संकट गहराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में देशभर की उड़ानों पर लगाई गई अस्थायी रोक (ग्राउंड स्टॉप) के दो दिन बाद भी हवाई यातायात व्यवस्था पटरी पर नहीं लौट पाई है। इसके चलते रविवार को भी अमेरिकी हवाई अड्डों पर यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार को देशभर में 2,400 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि 8,800 से ज्यादा अमेरिका के परिवहन मंत्री सीन डफी ने रविवार को कहा कि हवाई यातायात को पूरी तरह सामान्य होने में थोड़ा समय लग रहा है, लेकिन उम्मीद है कि सोमवार तक उड़ान सेवाएं पटरी पर लौट आएंगी। क्यों आ रही है दिक्कतरू सीबीएस से बातचीत में डफी ने परिचालन में आ रही बाधाओं की वजह स्पष्ट करते हुए बताया कि शुक्रवार को अचानक उड़ानें रोके जाने के कारण कई विमान और उनके क्रू सदस्य अपनी निर्धारित जगहों (बेस) पर मौजूद नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने एयर ट्रैफिक सिस्टम के आधुनिकीकरण के लिए संसद से अतिरिक्त फंड मंजूर करने की अपील की है।

जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू

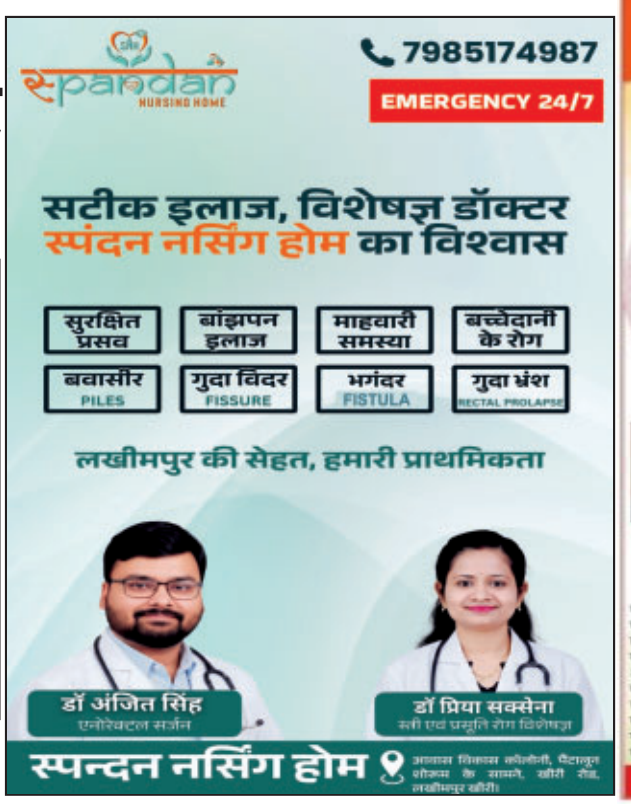
प्रत्येक छात्र को जागरुक करना है लक्ष्य : सुमित रांगी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी एवं डाइट की प्राचार्या सुमिता रांगी के नेतृत्व तथा ट्रेनिंग विंग इंचार्ज सोना यादव की देखरेख में जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा चरण सोमवार से आरंभ हो गया है। ट्रेनिंग विंग के सदस्य डॉ. ओमबीर यादव ने जानकारी दी कि यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम योग आयोग हरियाणा, पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार और शिक्षा विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।



डाइट गुरुग्राम में आयोजित इस 30 दिवसीय कार्यक्रम के तहत प्रथम बैच के 15 दिवसीय दूसरे चरण सोहना, पटौदी और फर्रुखनगर खंड के शिक्षकों के लिए और दूसरे बैच के 30 दिवसीय गुरुग्राम खंड के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा शिक्षकों को सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, पतंजलि योग सूत्र, ध्यान, हठयोग और श्रीमद्भगवद गीता का गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह प्रायोगिक योग अभ्यास कराया जाता है, जिसके बाद योग के विभिन्न पहलुओं पर सैद्धांतिक सत्र आयोजित किए जाते हैं। प्राचार्या सुमिता रांगी ने कक्षाओं का निरीक्षण किया और प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।





दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ



लखीमपुर खीरी के ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों से अपील है कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का कष्ट करें। इसके लिए अपने विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी से सम्पर्क करें।

जीतेन्द्र कुमार मिश्र
पीडीएस उपायुक्त, स्वतः रोजगार
लखीमपुर खीरी

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ



आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
धीरेन्द्र केसरवानी
समाजसेवी
धाता जनपद- फ़तेहपुर

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ



आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
डॉ. पंकज
एमएस जनरल सर्जन और फिजिशियन
पंकज पालिक्लीनिक , कैनाल रोड ,
खागा, फ़तेहपुर

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

मंथन हास्पिटल खागा की ओर से आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
डा.सरवरी रजा(राजू भाई)
मंथन हास्पिटल खागा
खागा, फ़तेहपुर

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ



आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
अनुज प्रताप सिंह
ब्लाक प्रमुख ऐरायां खागा

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ



आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
बृजेंद्र भदोरिया
नवाबगंज , गोंडा

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

विश्वकर्मा हास्पिटल खागा की ओर से आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
विश्वकर्मा हास्पिटल खागा

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु
डा. राहुल विश्वकर्मा
विश्वकर्मा हास्पिटल खागा

दिवाली, भाई दोज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

राज नर्सिंग होम

डॉ. अंकित श्रीवास्तव
एमबीबीएस एमडी
(फिजीशियन)
शुगर थायराइड पेट एवं
लीवर रोग विशेषज्ञ

डॉ. निहारिका श्रीवास्तव
एमबीबीएस डीजीओ (AMU)
एफएमएएस डीएमएएस दिल्ली
एफआईवीएफ (मुंबइ@UK)
लेप्रोस्कोपिक सर्जन एवं
बांझपन रोग विशेषज्ञ

छाउछ चौराहा गोला रोड लखीमपुर खीरी
मो0 8948958145,8948958226

अवनी हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर





दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

सुविधायें :

- सामान्य ओपीडी
- नॉर्मल डिलीवरी के विशेष सुविधा उपलब्ध
- गुर्दा व पित्ताशय की पथरी का ऑपरेशन।
- ईसीजी ,आईसीयू , वार्मर की सुविधा उपलब्ध।
- प्री मेच्योर बच्चों के इलाज की सुविधा।
- छोटे चीरे या बिना चिरे, अधिकांश फ्रैक्चर कॉपरेशन बिना प्लास्टर इलाज ऑपरेशन के बाद शीघ्र चलने फिरने योग्य।
- बच्चेदानी का ऑपरेशन।
- बवासीर हाइड्रोसिल व भगंदर का ऑपरेशन।
- स्त्री व प्रसूति रोग ल्यूकोरिया।
- रुकी हुई माहवारी का इलाज
- हार्निया का आपरेशन।

पता- एरा रोड, पॉलिटेक्निक के सामने, लखमीपुर खीरी